डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

वर्ष : 10 > अंक : 36 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

राष्ट्र प्रेम ही राजनीति में स्थायीकरण का मार्ग है।
-शालिनी श्रीवास्तव

website: www.hsnews.in

साप्ताहिक समाचार पत्र

जयपुर, बुधवार, 21 फरवरी 2024

मोदी और शाह की युगल शक्ति विपक्ष को देगी शह और मात

नेता,नियत और नीति से खाली हैं विपक्ष के हाथ: अमित शाह

भाजपा के विशाल व्यक्तित्व के सामने भारत के बाक़ी राजनैतिक दल होने लगे हैं बौने

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। मोदी और शाह की रणनीति ने राजनैतिक परिभाषा को अब जाकर सही मायने दिए हैं। नेता की पहली नीति और नियत जनता के दु:ख,सुख और साथ से जुड़ी होती है न कि स्वहित से यह कहना है अमित शाह का।

2014 का मोदी युग का उदयकाल भारत को एक नए सूर्य के दर्शन करवा रहा है और इस नए सूर्य के दर्शन में जो भी बाधाएँ आ रही हैं उसे मोदी और शाह की युगल शक्ति ने पग-पग पर मात दी है और लगातार दे रहे हैं।

20 फरवरी को अमित शाह ने राजस्थान को एक बड़ा सन्देश दे दिया कि 2047 यानी 1947 के बाद 2047 भारत के इतिहास का स्वर्णिम काल होगा जो भारत को सोने की चिड़िया के नाम से फिर विश्वपटल पर अंकित करेगा।

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदारदास मोदी की तरह ही माननीय अमित शाह भी देश की मज़बूत दशा के दृढ़ संकल्प की गहरी तस्वीर राजस्थान की जनता की आँखों में साक्षात उकेरी है और स्पष्ट कर दिया है कि बस आप ही यानी जनता ही हमारी उत्तराधिकारी है। परिवारवाद की काली छाया से भाजपा हमेशा दूर थी और दूर ही रहेगी। राष्ट्र को समर्पित केवल ख़ास ही नहीं आम कार्यकर्ता को कोई भी बड़ी ज़िम्मेदारी भाजपा दे सकती है। इसीलिए राष्ट्रप्रेम सर्वोपरि रखें और राष्ट्रहित को अपना लक्ष्य बनाएँ। राजस्थान में भाजपा के लोकसभा चुनाव के लिए महत्वपूर्ण दौरे अब आरम्भ हो गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 20 फरवरी यानी एक ही दिन में बीकानेर, उदयपुर और जयपुर का दौरा कर नौ लोकसभा सीटों के कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद साध लिया है इस दौरान

जयपुर में प्रबुद्धजन सम्मेलन आदर्शनगर में शाह बोले-

कांग्रेस ने कभी भारत की परंपराओं का सम्मान नहीं किया: भारत भले ही 1947 में आजाद हुआ हो लेकिन उसमें प्राण अब मोदी जी ने फूंके हैं। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी भारत की परंपराओं का सम्मान नहीं किया।

मनमोहन सरकार ने भारत को अर्थव्यवस्था में 11वें से 12वें नंबर पर जाने नहीं दिया: शाह ने तारीफ से भरे तंज में कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में भारत 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गया था। बाद में दस साल केंद्र में मनमोहन सिंह की सरकार रही। इन्होंने एक काम अच्छा किया कि भारत को 11वें से 12वें नंबर पर जाने नहीं दिया। 10 साल तक अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान फ्रीज रहा लेकिन मोदी ने पीएम बनने के बाद पिछले 10 साल में भारतीय अर्थव्यवस्था को तीसरे नंबर पर पहुँचा दिया।

370 हटाई है अब 370 सीट का लक्ष्य साधा है: शाह ने लोकसभा की सभी 25 सीटें एक बार फिर नरेंद्र मोदी की झोली में डालने का आह्वान किया उन्होंने कहा कि राजस्थान की जीत भाजपा के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। अगर यहाँ की सभी 25 सीटें भाजपा जीत गई तो एनडीए 400 का आंकड़ा पार करेगा। यूँ तो धारा 370 हटी जो एक बहुत बड़ा गम्भीर निर्णय था आज देश के नागरिक का पोता या पोती भी लालचौक पर जाकर झंडा फहरा सकता है। ऐसे में अब 370 सीटों का लक्ष्य भी जनता ही पूरा करेगी।

देश के लोकतंत्र के चार नासूरों का अंत अब निश्चित: शाह

- शाह ने जयपुर में प्रबुद्धजन सम्मेलन में अपने उदबोधन में कहा कि देश का लोकतंत्र चार नासूरों से ग्रसित हुआ है परिवारवाद, तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार, जातिवाद।
- मोदी जी ने 10 साल के अंदर परिवारवाद को समाप्त किया, तुष्टिकरण को समाप्त किया, जातिवाद को समाप्त किया, भ्रष्टाचार को समाप्त किया।

यह है भाजपा की असली तस्वीर जो मोदी के सपनों के भारत की सुंदर कल्पना को साकार कर रही है और 2047 में यह लक्ष्य सौ प्रतिशत पूर्ण हो जाएगा। अमित शाह ने देश हित के प्रति अपनी असीमित भावनाओं को सधे हुए शब्दों में 40 मिनट के उदबोधन में स्पष्ट कर दिया और कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव में जुट जाने और 400 सीट्स का लक्ष्य पाने के लिए कटिबद्ध होने का सन्देश प्रेषित किया।

न नेता ना नीयत और ना ही कोई नीति है विपक्ष के पास

कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि विपक्ष के पास ना तो नेता है, ना ही नीयत और ना ही कोई नीति है साथ ही उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा का एकमात्र उद्देश्य है दुनिया में भारत पहले हो और भारत विश्वगुरु बने यानी हमारे नेता मोदी जी की नियत और नीति साफ है।

परिवारवाद में उलझा विपक्ष देश की समस्याएँ क्या सुलझाएगा?

शाह ने कहा "इंडी अलायंस के लोग अपने बेटे-बेटी और परिवार के लोगों को ही मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। ऐसे ये लोग देश का क्या भला कर सकते हैं?ये लोग सिर्फ परिवार का भला करने के लिए हैं जबकि भारतीय जनता पार्टी का लक्ष्य है राष्ट्रहित।

हाईकोर्ट एडवोकेट भी कर रहे बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन

क्या राजस्थान उच्च न्यायालय की गरिमा को खंडित नहीं करती अवैध निर्माण पर लगी हाईकोर्ट एडवोकेट्स की नेम प्लेट

रामगली न.08 प्लॉट न.12 कॉर्नर प्लॉट के अवैध निर्माण पर राजस्थान हाईकोर्ट के एडवोकेट्स की नेम प्लेट राजस्थान हाईकोर्ट की गरिमा को खण्डित कर रही है।

हिलव्यू समाचार

जयपुर। रामगली न.08 प्लॉट न.12 कॉर्नर प्लॉट है।

अवैध निर्माणकर्ता एडवोकेट्स ने सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण कर मैटेरियल सड़क पर फैला रखा है। गार्ड रूम भी सड़क का कोना घेरकर बना लिया है।

न मालवीयनगर जोन से निर्माण स्वीकृति ली है। नक्शा,लेआउट प्लान निगम से पास नहीं।ऐसे में मालवीय नगर जोन की कार्य प्रणाली तो समझ आ ही रही है लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि गोविंद कुमार घीया एवं साराँश घीया वरिष्ठ अधिवक्ता राजस्थान हाईकोर्ट का बोर्ड इस तरह लगाया है कि कोई शिकायत या किसी तरह की कार्यवाही न हो पाए।

क्या राजस्थान हाईकोर्ट के एडवोकेट्स को नियम क़ानून क़ायदे तोड़ने का अधिकार है। क्या बिल्डिंग बायलॉज के नियम इन एडवोकेट्स पर लागू नहीं।

अपनी वरिष्ठता का परिचय एडवोकेट्स इस तरह दे रहे हैं कि आमजन को न्याय दिलाने वाले ख़ुद नियमों का तो उल्लंघन कर ही रहे हैं और तो और ट्रैफ़िक को भी प्रभावित कर रहे हैं। आसपास का वातावरण व यातायात सड़क पर फैले मिट्टी,रेत,सरिये से बाधित और प्रभावित हो रहा है। क्या राजस्थान उच्च न्यायालय की गरिमा इससे खण्डित नहीं होगी कि न्याय की दहलीज़ पर ही अन्याय का खेल हो रहा है। ये अन्याय और सड़क अतिक्रमण और अवैध निर्माण करने वाले कोई और नहीं बल्कि राजस्थान उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्तागण हैं।

क्या निगम के नियम आम आदमी के लिए हैं इन बड़े रसूखदारों के लिए नहीं?

क्या हाइकोर्ट के एडवोकेट्स को नियम तोड़ने का मिल गया है अधिकार?

रामगली न.08,प्लॉट 12 राजापार्क पर यह बानगी देखी जा सकती है। हाईकोर्ट के वकील होने का बोर्ड लगाकर मनमानी करने का इनडायरेक्ट लाइसेंस दिखा रहा है अवैध निर्माणकर्ता

बार काउंसिल ऑफ राजस्थान व दी बार एसोसिएशन जयपुर में वेलफेयर टिकट में करोड़ों का हुआ घोटाला

जाँच कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर सदर पुलिस थाने में कर्मचारी रणवीर सिंह के ख़िलाफ़ हुआ मामला दर्ज

हिलव्यू समाचार

जयपुर। दी बार एसोसिएशन जयपुर में वेलफेयर टिकट में करोड़ों का घोटाला सामने आया है।

जाँच रिपोर्ट के आधार पर दी बार एसोसिएशन जयपुर के कर्मचारी रणवीर सिंह ने फर्ज़ीवाड़ा करके नकली वेलफेयर टिकट छाप कर करोड़ों रुपए के गबन किया है।

दी बार एसोसिएशन जयपुर अध्यक्ष पवन शर्माऔर महासचिव राजकुमार शर्मा ने सदर थाने में मामला दर्ज करवा दिया है। कोषाध्यक्ष गजेंद्र सिंह नरूका की अगुवाई में पाँच अधिवक्ताओं की जाँच कमेटी बनाई गयी थी। इस कमेटी में उपकोषाध्यक्ष नवल किशोर शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य मनीष पारीक,ऋषि राज शेखावत और अरुण कुमावत को सदस्य बनाया गया था। जाँच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और कहा कि इसमें करोड़ों रुपए का घोटाला है। इस आधार पर ही कार्यकारिणी की बैठक में फैसला किया गया कि पुलिस में मामला दर्ज कराया जाना चाहिए।

सदर थाने में दर्ज रिपोर्ट में दर्ज है कि हाल ही में वेलफेयर की 66 हज़ार रसीदें काटी गयीं जबकि हिसाब-किताब केवल 15 हज़ार रसीदों का ही मिला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 71 लाख रुपए का कोई हिसाब-किताब नहीं है।

वर्ष 2016 से वेलफेयर टिकट का यह घोटाला चल रहा था। लेकिन किसी भी निर्वाचित दी बार एसोसिएशन जयपुर के पदाधिकारी ने ध्यान नहीं दिया और इस कर्मचारी का घोटाला सामने नहीं आ पाया। दी बार एसोसिएशन जयपुर अध्यक्ष पवन शर्मा और महासचिव राजकुमार शर्मा ने निर्वाचन के साथ ही इस मामले की विस्तृत जाँच करने का निर्णय किया

दी बार एसोसिएशन जयपुर के इस घोटाले उजागर होने के बाद पूर्व के पदाधिकारी में हड़कंप मचा है कि यह सब घोटाला होता रहा और उन्हें जानकारी नहीं मिली। जानकार सूत्रों का कहना है कि दी बार एसोसिएशन जयपुर पूर्व के पदाधिकारियों के शामिल होने की बात भी सामने आ रही है।

राजापार्क में फ़र्ज़ी फर्म बनाकर करोड़ों रुपए का फ़र्ज़ीवाड़ा कर रहे व्यापारी, बिल्डर्स, पार्षद और नेता

निगम राजस्व, GSTIN सहित इनकम टैक्स को बड़ा झटका दे रहे झूठी फर्मों वाले फ़र्ज़ी बिल्डर्स

शालिनी श्रीवास्तव/ कुलदीप गुप्ता

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। बिल्डिंग बनाते-बनाते बिल्डर बन गए चोर, खाईवाली करते-करते खाईवाल बन गए बिल्डर। एक अजीब सा खेल राजापार्क में लगातार चल रहा है जिसका खुलासा जल्दी हिलव्यू समाचार करेगा।

फ़र्ज़ी GST नंबर से करोड़ों की वसूली का बड़ा घोटाला सामने आया है सबसे बड़ी बात दो-दो आधार कार्ड से फ़र्ज़ी फर्म बनाकर GST और इनकमटैक्स की चोरी फ़र्ज़ी बिल्डर्स, फ़र्ज़ी व्यापारी, यहाँ तक कि जनप्रतिनिधि भी कर रहे हैं।

कई फ़र्ज़ी बिल्डर्स ,फ़र्ज़ी व्यापारी,जनप्रतिनिधि फ़र्ज़ी फर्म से जीएसटी और इनकमटैक्स विभाग की आँखों में धूल झौंक रहे हैं।इन फ़र्ज़ी लोगों ने फ़र्ज़ी फर्मों का धार्मिक नाम रखकर फ़र्ज़ी फर्मों से धर्म और आस्था का मज़ाक भी उड़ाया है। हिलव्यू समाचार अगले आगामी अंकों में ऐसे फ़र्ज़ी व्यापारियों, बिल्डर्स, जनप्रतिनिधि के बारे में ख़ुलासा करेगा।

हिलव्यू समाचार जल्द लेकर आएगा आपके सामने एक बड़ा घोटाला बड़े बड़े बिल्डर्स से लेकर गली मोहल्ले के छोटे-मोटे बिल्डर्स भी इसमें शामिल हैं।

न फर्म है न फर्म का कहीं अस्तित्व, GST नंबर लेकर स्वयं ने सुओमोटो से फर्म रजिस्ट्रेशन कैंसल तो करवा लिया मगर उसी फेल्ड GST से करोड़ों का व्यापार आज भी चला रहे हैं ये फ़र्ज़ी लोग।

माँ,पत्नी,बहन बेटी के नाम से कर रहे करोड़ों का फ़र्ज़ी व्यापार कर रहे हैं और उनके औरत होने का फ़ायदा उठाने की फ़िराक़ में रहते हैं ये बेगरत बिल्डर्स,व्यापारी और जनप्रतिनिधि मगर क़ानून औरत या आदमी नहीं देखता केवल और केवल अपराध देखता है। स्त्रियों के प्रति संवेदनशीलता केवल तब तक होती है जब तक वह किसी अपराध में लिप्त या भागीदार नहीं होतीं। अन्यथा क़ानून सबके लिए एक है और सबको सब अपराधों की समान सज़ा मिलती है।

पत्नी के दो-दो आधार कार्ड,फ़र्ज़ी जीएसटी नंबर से बनी फर्म दिखाकर जीएसटी और इनकमटैक्स दोनों को चूना लगाया है फ़र्ज़ी गैंग ने।

हालांकि पत्नी के अलावा भी कई व्यापारियों और बिल्डर्स के पास है ऐसी महिला मित्र जिसे ये अपने फर्जीवाड़े और अवैध धंधों में करते हैं इस्तेमाल जो वक़्त आने पर महिला होने का ग़लत फ़ायदा उठाती है और द्वितीय पक्ष पर हावी होती है।

फर्जीवाड़े का ये बड़ा खेल बड़े स्तर पर ही नहीं हर गली मुहल्ले के छोटे-बड़े जनप्रतिनिधियों के बीच भी चल रहा है हिलव्यू समाचार जल्द आपके सामने पर्दाफ़ाश करेगा ऐसे फ़र्ज़ी, धोखेबाज, जालसाज व्यापारियों, बिल्डर्स और जनप्रतिनिधियों के नाम का नाम व फ़र्ज़ी फर्मों का नाम इसी के साथ-साथ सम्बन्धित विभागों को दस्तावेज सहित सूचनाएँ भी उपलब्ध करवाएगा ताकि इन फ़र्ज़ी फर्मों की फ़र्ज़ी गैंगों पर कड़ी कार्यवाही हो।

राज्य नहीं बल्कि केंद्र स्तर के भी अपराधी हैं ये बिल्डर्स न रेरा, न जीएसटी,न एमएसएमई न फर्म का कहीं भी किसी भी तरह का रजिस्ट्रेशन लेकिन फ़र्ज़ी फर्म से बेवकूफ़ बना रहे हैं आम जनता को और सरकार को लगा रहे राजस्व का चूना।इसके अलावा भूमाफिया भी हैं इस खेल में शामिल फ़र्ज़ी रजिस्ट्रियां, फ़र्ज़ी फर्में,फ़र्ज़ी किरायेनामें,फ़र्ज़ी निर्माण स्वीकृति, फ़र्ज़ी दस्तावेज़ों और फ़र्ज़ी नोटेरियों का होगा खुलासा जनता और सम्बन्धित विभागों के सामने बहुत जल्द

समाज के हित में किसी भी सामाजिक, सार्वजनिक मुद्दे, भ्रष्टाचार खुलासे के लिए मय दस्तावेज़ हमसे संपर्क करें - 7976561127

सम्पादकीय

फिलिस्तीन व यूक्रेन में यूएन शांति का प्रयास करे

विश्व में चल रही दो जंग के खात्मे के लिए संयुक्त राष्ट्र को प्राथमिकता के आधार पर पहल करनी चाहिए। यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध को करीब दो साल तो इजराइल व हमास के बीच जारी जंग को कई महीने हो गए। इन दोनों ही जंग को खत्म करने के लिए अब तक जो भी वैश्विक व कूटनीतिक प्रयास हुए हैं, वे नाकाफी साबित हुए हैं। दोनों का जंग का चरित्र व कारण बेशक अलग हो, लेकिन दोनों में नुकसान बेकसूर नागरिकों का हो रहा है, अब तक हजारों लोग मारे जा चुके हैं। यदि विश्व की शक्तियां युद्ध को समाप्त कराने में सक्षम नहीं हैं तो उन्हें कम से कम किसी के पक्ष में खादपानी देने का काम नहीं करना चाहिए। यूक्रेन अमेरिकी व यूरोपीय मदद के भरोसे रूस से जंग जारी रखा हुआ है, जबकि इसमें नुकसान यूक्रेन का ही हो रहा है। इजराइल-हमास युद्ध में 29 हजार से अधिक गाजावासियों की मौत हो चुकी है। यूक्रेन में भी करीब 20 हजार से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इन मौतों के जिम्मेदार कौन हैं? आखिर यह युद्ध क्यों? बेकसूर जनता की जान लेने का हक किसी मुल्क को नहीं है। एक मुल्क क्या अपनी हठधर्मिता में दूसरे देश के नागरिकों की जान कैसे ले सकते हैं? ऐसा हो रहा है, तो संयुक्त राष्ट्र क्या कर रहा है?, विश्व के शक्तिशाली देश क्या कर रहे हैं? संयुक्त राष्ट्र का गठन ही युद्ध रोकने व शांति की स्थापना के लिए हुआ है। आखिर संयुक्त राष्ट्र कब अपनी शक्ति को पहचानेगा और अन्याय के खिलाफ एक्शन लेना सीखेगा? आखिर कब संयुक्त राष्ट्र कुछेक मुल्कों के एजेंडे के अनुरूप ही काम करेगा? संयुक्त राष्ट्र कब समझेगा कि वह विश्व के सभी सदस्य देशों की संस्था है। यह सही है कि हमास आतंकी संगठन है, उसका गाजा पट्टी पर अवैध कब्जा है और उसने इजराइल को सबक सिखाने के लिए बेकसूर यहूदी नागरिकों पर आतंकी हमला कर दिया। इजराइल आतंकी गुट हमास के खात्मे के लिए संकल्पित हुआ और वह एक तरह से आतंक के विनाश के लिए जंग लड़ रहा है, लेकिन इजराइली सेना को यह भी ध्यान देना होगा कि गाजा के बेकसूर नागरिक नहीं मारे जाएं। सात अक्टूबर को हमास के आतंकियों ने दक्षिण इजराइल पर हमला कर दिया था, जिसमें 1,200 के आसपास लोग मारे गए थे जबकि करीब 250 लोग बंधक बना लिए गए थे। हमास के हमले के बाद इजराइल ने गाजा के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया था। गाजा में तत्काल युद्धविराम की मांग करने वाले अरब समर्थित प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र (संरा) सुरक्षा परिषद में मंगलवार को मतदान होना है। अमेरिका ने मतदान में वीटो का इस्तेमाल करने की घोषणा की है। अरब प्रतिनिधि अल्जीरिया ने मसौदा प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया है, जिस पर परिषद में मतदान किया जा सकता है। मसौदे में इजराइल और हमास द्वारा अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से नागरिकों की सुरक्षा का 'ईमानदारी से पालन करने' और फिलिस्तीनी नागरिकों के जबरन विस्थापन को अस्वीकार करने जैसी मांगें रखी गई हैं। अमेरिका बीते कई महीनों से 'बंधक समझौते' पर काम कर रहा है, जो कम से कम छह सप्ताह तक शांति बनाए रखने में मदद करेगा और इससे हमें स्थायी शांति बनाने के प्रयासों के लिए अधिक समय मिलेगा और समस्या को हल करने के लिए हम यथोचित कदम उठा सकेंगे। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और मिस्त्र व कतर के नेताओं के साथ कई बार बातचीत कर चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र से गाजापट्टी में शांति का कोई रास्ता निकलना चाहिए। शक्तिशाली देश किसी भी रूप में किसी भी आतंकी गुट को मदद न करें, तो हमास, हुती जैसे आतंकी गुट पनपेंगे ही नहीं। भारत ने हमेशा से आतंकवाद के सभी रूपों का विरोध किया है और शांति से मसलों के हल की अपील की है।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस

डा. रमेश ठाकुर

निष्पक्ष न्याय से ही साकार होगा समतामूलक व्यवस्था का सपना

विश्व सामाजिक न्याय दिवस का मकसद समूचे संसार में हो रहे सामाजिक अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना होता है। साथ ही विभिन्न समुदायों को एकत्र करके उनमें पूर्व के आपसी मतभेदों-मनभेदों को मिटाकर सर्वज्ञ सामाजिक न्याय के प्रति एकता और जागरूकता फैलाना होता है। दरअसल, ये दिन पूरी दुनिया में एक और खास संदेश के लिए प्रचलित है। अन्याय के प्रति उपजी दुर्दांत व्यवस्था जैसे, धर्म, नस्ल, लिंग, भेदभाव, छुआछूत इत्यादि के आधार पर बंटे जनमानस को एकजुट करने की पुरजोर अलख भी जगाता है। समाज से अछूते, असहाय व दुर्बल ऐसे विभिन्न मुद्दों पर ध्यानाकर्षण के लिए ही 26 नवंबर 2007 के दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 20 फरवरी से प्रतिवर्ष ये दिवस मनाने का श्रीगणेश किया गया। इसके उपरांत अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने भी सर्वसम्मति से 10 जून-2008 को निष्पक्ष भूमंडलीकरण के लिए सामाजिक न्याय के दायित्वों को अपनाया। वहीं, सन्-2009 से पूर्ण रूप से विश्व सामाजिक न्याय दिवस के मनाए जाने का सिलसिला आरंभ हुआ।

दरअसल, ये दिवस हमें गहरी नींद से जगाने का भी काम करता है। कहता है कि भले ही अनगिनत लोगों के लिए व्यवस्थाएं बेहतर हो गई हां। पर, अभी भी कई चीजें ऐसी हैं जो हजारों-लाखों लोगों को निष्पक्ष जीवन जीने से रोकती हैं। अन्याय होने या न होने का जहां तक विषय है। तो समाज में आज भी ऐसे कई वर्ग हैं जिनके साथ बर्ताव अच्छा नहीं होता। वो अपने अधिकारों से वंचित हैं। उन्हें उनके मुकम्मल दायित्वों से दूर रखा जाता है। इसलिए, क्योंकि वो अपने हक-हुकूकों के प्रति अनभिज्ञ होते हैं। इस कड़वी हकीकत से न सिर्फ केंद्र सरकार, बल्कि विश्व की तकरीबन हुकूमतें भी बाखूबी वाकिफ हैं। धरती पर वास करने वाले सभी वर्गों को एक समान उचित न्याय मिले, किसी के साथ सौतेला व्यवहार न हो, इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सजग होना होगा। सभ्य लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए सामाजिक न्याय गरीबी उन्मूलन को कैसे प्रभावित करता है, इसलिए ही ये दिवस मनाया जाता है। ये खास दिन पूरी दुनिया को पूर्ण रोजगार प्राप्त करने और सामाजिक एकीकरण के समर्थन की भी वकालत करना सिखाता है। गरीबी, बहिष्कार और बेरोजगारी जैसे मुद्दों से निपटना इस वक्त सभी के लिए चुनौती है। अगर, इन सामाजिक बुराईयों से सभी मिलकर लड़ें, तो उसके परिणाम निसंदेह अच्छे होंगे। अन्याय के प्रति हमें आंखें नहीं बंद करनी चाहिए। हर संभव मदद करनी चाहिए। ऐसा नहीं करने से हम भी बराबर के दोषी माने जाते हैं। क्योंकि ये लड़ाई किसी एक के बूते नहीं लड़ाई जा सकती, इसके लिए सामूहिक एकजुटता अत्यंत जरूरी है। समाज में कुरीतियों की भरमार है। व्यवस्थाएं चरमरा सी गयी हैं। लेकिन जनता चाहें तो एक पल में सुधार सकती है। दरअसल, ऐसा तब नहीं हो पाता? जब हम जाति-समुदाय के चलते छोटे-छोटे भागों में बंट जाते हैं जिसका फायदा सियासी और पॉवरफुल लोग उठा ले जाते हैं। समाज में न्याय जब तक एक जैसा नहीं होगा, तब तक हम खुशहाली की कल्पना नहीं कर सकते।

बहरहाल, आज का दिन कोई सार्वजनिक अवकाश का नहीं है। बल्कि, एक वैश्विक उत्सव है जो 2009 से प्रभावी हुआ है। गरीबी और पूर्णता के खिलाफ लड़ने के लिए एक सौ से अधिक अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक नेताओं ने 1995 में डेनमार्क के कोपेनहेगन में सामाजिक विकास के लिए एक विश्व शिखर सम्मेलन आयोजित किया था। तभी से निष्पक्ष न्याय तंत्र की आवाजें उठनी शुरू हुईं। परिणाम उम्मीद से भी अच्छे निकले हैं अभी तक। विश्व सामाजिक न्याय दिवस-2023 की थीम थी "बाधाओं पर काबू पाना और सामाजिक न्याय के लिए अवसरों को उजागर करना"। वहीं, 2022 की थीम थी 'संघर्षों से असमानताओं और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना' और इस बार 2024 की थीम है 'औपचारिक रोजगार के माध्यम से सामाजिक न्याय प्राप्त करना'। दरअसल, थीम्स निर्धारण करने के पीछे भी अलहदा उद्देश्य होता है। समाज का दिवस के प्रति प्रतिबिंबित होना और संवाद सूत्रों के जरिए जनमानस को एक सूत में जोड़ना। लोग ऐसे मुद्दों से निपटने के लिए कैसे एक साथ आएं और असमानताएं से कैसे मिटें? उनमें ऊर्जा भरने और जागरूक करने का काम करते हैं ऐसे खास दिवस।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये लेखक के अपने विचार हैं।)

विश्लेषण

अशोक पंकज

> मोदी सरकार ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सच्चे समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न की उपाधि से मरणोपरांत नवाजकर न केवल सच्चाई, ईमानदारी एवं सत्य निष्ठा की राजनीति करने वालों का सम्मान बढ़ाया है, बल्कि भारतीय जनता पार्टी की सियासी ताकत को भी मजबूत किया है। कर्पूरी ठाकुर लोहिया एवं दीन दयाल उपाध्याय के "गैर-कांग्रेसवाद" की राजनीति के फलाभूत हैं, और लोहिया के "अवसर से योग्यता" के सिद्धान्त के प्रमाणिक हस्ताक्षर हैं। ऐसे भारत रत्न की उपाधि को राजनीति से जोड़कर देखना उचित नहीं है। फिर भी मोदी सरकार के इस फैसले की राजनीतिक गलियारे में चर्चा हुई है।

कर्पूरी को भारत रत्न के मायने

नरेन्द्र मोदी सरकार ने 23 जनवरी 2024 को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सच्चे समाजवादी नेता स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर को उनके जन्मन की 100वीं वर्षगांठ (24 जनवरी 1924) के अवसर पर भारत रत्न की उपाधि से मरणोपरांत नवाजकर न केवल सच्चाई, ईमानदारी एवं सत्य निष्ठा की राजनीति करने वालों का सम्मान बढ़ाया है, बल्कि भारतीय जनता पार्टी की सियासी ताकत को भी मजबूत किया है। कर्पूरी ठाकुर लोहिया एवं दीन दयाल उपाध्याय के "गैर-कांग्रेसवाद" की राजनीति के फलाभूत हैं, और लोहिया के "अवसर से योग्यता" के सिद्धान्त के प्रमाणिक हस्ताक्षर हैं। अति पिछड़ी नाई बिरादरी में जन्मे कर्पूरी ठाकुर ने गरीबी की आंच में तप कर, न केवल स्वाधीनता संग्राम की लड़ाई लड़ी, बल्कि आजाद भारत में गरीब, पिछड़े, एवं दबे-कुचले लोगों के सशक्तिकरण की राजनीति के महत्वपूर्ण किरदार भी बने।

बिहार जैसे बड़े राज्यप में दो बार मुख्यमंत्री और एक बार उप-मुख्यमंत्री रहने के बावजूद भी उनके पैतृक कच्चे एवं खपरैल मकान की स्थिति ज्यों की त्यों बनी रही। उनके पिता आजीवन गांव में नाई के रूप में अपने यजमानों को सेवा देकर जीविका चलाते रहे। जब कर्पूरी ठाकुर मुख्यामंत्री बने, तब भी उनके पिता ने अपनी जातिगत पेशे से ही जीविकोपार्जन किया। जहां कर्पूरी ठाकुर ने किसी सगे-संबंधी को अपने मुख्यरमंत्री पद का लाभ उठाने नहीं दिया। वहीं मुख्यमंत्री की कुर्सी को जोखिम में डालते हुए, पिछड़ी जाति के सम्मिलित उत्थान के लिए मुंगेरी लाल कमीशन की सिफारिश को लागू कर, उत्तर भारत में पिछड़ी जातियों की सामाजिक-आर्थिक एवं राजनीति सशक्तिाकरण का एक नया अध्याय शुरू किया। वर्ष 1968-69 में जब कर्पूरी ठाकुर बिहार की संयुक्त विधायक दल की सरकार में उप-मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री बने तो उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा में अंग्रेजी में उत्तीर्ण होने की अनिवार्यता को खत्म कर, पिछड़े वर्गों को आगे बढ़ने का रास्ता खोल दिया। अंग्रेजी की अनिवार्यता के कारण, अधिकांश बच्चों, खासकर पिछड़ी जातियों के, मैट्रिक परीक्षा में अनुतीर्ण हो जाते थे और उनकी पढ़ाई एवं प्रगति वहीं रुक जाती थी। जब कर्पूरी ठाकुर ने अंग्रेजी की अनिवार्यता को खत्म किया, तब इन वर्गों के छात्रों के उतीर्ण होने की संख्या बढ़ गई। उनके सरकारी नौकरियों एवं उच्च शिक्षा में प्रवेश के द्वार खुल गये। हालांकि कर्पूरी ठाकुर के इस फैसले की आलोचना भी हुई, और कुछ लोगों ने उनके इस फैसले का मजाक उड़ाते हुए इस"कर्पूरी डिवीजन" का नाम दिया।

कर्पूरी ठाकुर का दूसरा महत्वपूर्ण, साहसिक एवं दूरगामी परिणाम का फैसला 1978 का मुंगेरी लाल कमीशन की पिछड़ी जातियों के लिए नौकरियों में आरक्षण देने की सिफारिश लागू करने की है। 1977 में आपातकाल के बाद, जब कर्पूरी ठाकुर बिहार के एक बार फिर मुख्यमंत्री बने,तो उन्होंने अपने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा गठित मुंगेरी लाल कमीशन की सिफारिश, जिसके तहत पिछड़े वर्गों को सरकारी नौकरियों में 26 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का फैसला लेकर, राजनीतिक भूचाल पैदा कर

दिया। ऊँची जाति के लोगों का, उन्हीं के कैबिनट मंत्रियों, का जबरदस्त विरोध हुआ और बात केंद्र तक पहुँची। उस समय चन्द्रशेखर जनता पार्टी के अध्यक्ष थे और शांति भूषण कानून मंत्री थे। शांति भूषण की अध्यक्षता में एक समिति बनी जिसे कर्पूरी ठाकुर के इस फैसले की समीक्षा करने का उत्तरदायित्व दिया गया। कर्पूरी ठाकुर को दिल्ली बुलाया गया। चन्द्रशेखर के नेतृत्व में एक नया फार्मूला बना, जिसके तहत 26 प्रतिशत आरक्षण को चार भागों में वर्गीकृत कर दिया गया। 12 प्रतिशत अति पिछड़ी जातियों के लिए; 8 प्रतिशत पिछड़ी जातियों के लिए; 3 प्रतिशत महिलाओं के लिए;तथा 3 प्रतिशत ऊँची जाति के आर्थिक रूप से पिछड़ी आबादी के लिए आरक्षण की व्यगवस्थात कर दी गई। यह फार्मूला "कर्पूरी फार्मूला" के रूप में लोकप्रिय हुआ। आर्थिक आधार पर आरक्षण देने की शुरूआत कर्पूरी ठाकुर की सरकार ने ही की थी और क्रीमी लेयर को आरक्षण के लाभ से बाहर रखने की दूरदर्शिता भी कर्पूरी ठाकुर ने ही दिखाई थी जिसे बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने भी इंदिरा साहनी वाद में अपनाया। आजादी के बाद भारत सरकार ने अनेक गणमान्य एवं विशिष्ट लोगों को उनकी राष्ट्र सेवा के लिए भारत रत्न की उपाधि दी है, जो सर्वथा उचित भी है। इसमें विशिष्ट क्षेत्रों के लोगों के अलावा कई राजनेता भी शामिल हैं। परन्तु उन सभी लोगों में कर्पूरी ठाकुर की पृष्ठ भूमि अलग है, और इस वर्ष के भारत रत्न के सम्मान की यह विशेषता उल्लेखनीय है।

ऐसे भारत रत्न की उपाधि को राजनीति से जोड़कर देखना उचित नहीं है। फिर भी मोदी सरकार के इस फैसले की राजनीतिक गलियारे में चर्चा हुई है। जब कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की गई, उस वक्त बिहार में जनता दल यूनाइटेड (जदयू), राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस एवं वाम दलों की महागठबंधन की सरकार थी, जिसने कुछ ही महीने पहले बिहार में जाति जनगणना कराकर, जाति की राजनीतिक चेतना को नये सिरे से जगाने का काम किया था। कई प्रदेशों में जातीय जनगणना की बात शुरू हो गई। राहुल गांधी ने कांग्रेस की ओर से जातीय गणना कराने का समर्थन भी कर दिया। कर्नाटक में जातीय जनगणना की रिपोर्ट प्रकाशित करने की मांग उठने लगी। ऐसे में जाति की राजनीति भाजपा के विकास एवं धार्मिक-सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की राजनीति के लिए चुनौती बन सकती थी। 2014 का लोकसभा चुनाव नरेन्द्र मोदी के व्यक्तित्व एवं विकास के वादे, मसलन "अच्छे दिन","स्मार्ट सिटी" आदि पर जीतने के बाद, भाजपा अपनी राजनीति का सामाजिक विस्तार करने मे लग गई। 2019 का लोकसभा चुनाव तक, भाजपा दलितों, एवं पिछड़े वर्गों के एक बड़े समूह तक अपना विस्तास कर चुकी थी, और वर्ष 2024 के चुनाव में आदिवासी, जो भारत की आबादी का 8 प्रतिशत है और पारंपरिक रूप से कांग्रेस के साथ रहा है, समुदायों को जोड़कर 400 सीटों के आंकड़े पहुँचने का लक्ष्य निर्धारित किया है। ऐसे में भाजपा की राजनीति के लिए यह अहम है कि दलितों एवं पिछड़े समुदायों को अपने साथ जोड़े रखें। बिहार जैसे प्रदेश में जहां 2019 के लोकसभा चुनाव में जदयू-भाजपा गठबंधन 39 सीटें जीती थी, वहीं 2024 में जदयू-राजद-कांग्रेस महागठबंधन की राजनीतिक शक्ति के सामने भाजपा के लिए खाता खोलना मुश्किल हो जाता। भाजपा के लिए यह जरूरी है कि दलितों, पिछड़ों में अपनी विस्तार को बनाये रखे। हालांकि कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न मिलने के 10 दिनों के अंदर ही नीतीश कुमार भाजपा की गोद में आ बैठे। यह जरूर है कि इस प्रक्रिया में नीतिश कुमार ने अपनी साख पूरी तौर से खो दी है और राजनीति के नये 'आया-राम' बन गये हैं। भाजपा वही चाहती भी है। कमजोर एवं असहाय नीतीश भाजपा के लिए राजनीतिक वरदान बन सकते हैं। कूर्परी को भारत रत्न मिलने से बिहार की राजनीति में भाजपा द्वारा बड़ा सामाजिक समीकरण का संदेश दिया गया है।

(लेखक काउन्सिाल फॉर सोशल डेवलपमेंट में प्रोफेसर है व लोहिया के सपनों का भारतः भारतीय समाजवाद की रूपरेखा पुस्तक के रचनाकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

प्रसन्नता बन जाए परमात्मा

संकलित

दर्शन

व्यक्ति का चित्त प्रसन्न रहे तो परमात्मा के दर्शन हो जाएं। यह प्रसन्नता ही परमात्मा बन जाए। मगर आज के भागदौड़ भरे और तनाव के दौर में यह प्रसन्नता आए कैसे? तमाम लोग पैसा कमाने की भागदौड़ में लगे हैं। कोई भी ग्रंथ हो, धर्म हो, अध्यात्म हो, पैसा कमाने के लिए मना नहीं करता, लेकिन धन कमाते हुए भी यदि प्रसन्नता नहीं है तो कहीं पर ठहर कर कुछ विचार तो करना ही चाहिए। कथाओं में एक बात मैं अक्सर कहता रहता हूं। हमारे ग्रंथों में अपनी कुल आय का दशांश निकालने पर बल दिया गया। दशांश यानी जो भी आप महीने में कमा रहे हैं, उसका दस प्रतिशत हिस्सा समाज के लिए, जरूरतमंद लोगों के लिए खर्च किया जाना चाहिए। आप दो लाख रुपये कमा रहे हैं तो 20 हजार निकाल दें। आपको लगता है कि 20 हज़ार ज्यादा हैं, आप नहीं निकाल पाएंगे तो एक लाख ही कमाएं। फिर दस हजार ही निकालने होंगे। आपाधापी में लोग प्रसन्न रहना तो जैसे भूलते जा रहे हैं। अध्यात्म में प्रसन्न रहने का बहुत महत्व बताया गया है। हर व्यक्ति को प्रसन्न रहना चाहिए, क्योंकि प्रसन्नता परमात्मा तक पहुंचने का द्वार है। हमें प्रसन्न रहते हुए स्वयं की खोज करनी चाहिए। हम दूसरों को ढूंढ़ने और उनमें कमियां व खूबियाँ खोजने में लगे रहते हैं। एक नजर हमें खुद पर भी डालनी चाहिए। व्यक्ति स्वयं की खोज करें, समाज की सेवा करे और परमात्मा से प्रेम करे, उसका भजन करें, आज के समय में प्रसन्न रहने के लिए यह पर्याप्त है। बहुत ज्यादा साधनों में उलझने की आवश्यकता नहीं है।

आख़िर कर्म ही महान है

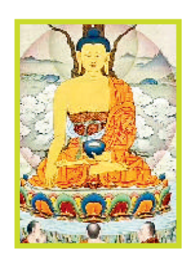

संकलित

प्रेरणा

एक बार बुद्ध एक गांव में अपने किसान भक्त के यहां गए। शाम को किसान ने उनके प्रवचन का आयोजन किया। बुद्ध का प्रवचन सुनने के लिए गांव के सभी लोग उपस्थित थे, लेकिन वह भक्त ही कहीं दिखाई नहीं दे रहा था। गांव के लोगों में कानाफूसी होने लगी कि कैसा भक्त है कि प्रवचन का आयोजन करके स्वयं गायब हो गया। प्रवचन खत्म होने के बाद सब लोग घर चले गए। रात में किसान घर लौटा। बुद्ध ने पूछाः कहां चले गए थे? गांव के सभी लोग तुम्हें पूछ रहे थे। किसान ने कहा, दरअसल प्रवचन की सारी व्यवस्था हो गई थी, पर तभी अचानक मेरा बैल बीमार हो गया। पहले तो मैंने घरेलू उपचार करके उसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन जब उसकी तबीयत ज्यादा खराब होने लगी तो मुझे उसे लेकर पशु चिकित्सक के पास जाना पड़ा। अगर नहीं ले जाता तो वह नहीं बचता। आपका प्रवचन तो मैं बाद में भी सुन लूंगा। अगले दिन सुबह जब गांव वाले पुनः बुद्ध के पास आए तो उन्होंने किसान की शिकायत करते हुए कहा, यह तो आपका भक्त होने का दिखावा करता है। प्रवचन का आयोजन कर स्वयं ही गायब हो जाता है। बुद्ध ने उन्हें पूरी घटना सुनाई और फिर समझाया, उसने प्रवचन सुनने की जगह कर्म को महत्व देकर यह सिद्ध कर दिया कि मेरी शिक्षा को उसने बिल्कुल ठीक ढंग से समझा है। उसे अब मेरे प्रवचन की आवश्यकता नहीं है। मैं यही तो समझाता हूं कि अपने विवेक और बुद्धि से सोचो कि कौन सा काम पहले किया जाना जरूरी है।

अंतर्मन

आज की पाती

सूर्योदय योजना से बिजली क्षेत्र में आएगा सुधार

मोदी सरकार की सूर्योदय योजना देश में बिजली की किल्लत को दूर करने वाली योजना है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सौभाग्य योजना को शुरू किया है जिसका उद्देश्य देश के दूरदराज के गांवों तक हर घर बिजली पहुंचाना है, लेकिन जब बिजली का उत्पादन ही कम होगा तो यह योजना कैसे अपनी मंजिल तक पहुंचेगी? अगर सरकार सूर्योदय योजना पर गंभीरता से काम करे तो देश के दूरदराज के गांवों तक भी बिजली सुविधा उपलब्ध हो सकती है। हमारे देश में अभी भी बिजली संकट का सामना कुछ राज्यों को करना पड़ता है, खासतौर पर गर्मियों में। - **संतोष जैन**, बलौदा बाजार

करंट अफेयर

सत्ता में आई तो भारत से संबंध मज़बूत करूँगी : हेली

राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से उम्मीदवारी पाने का प्रयास कर रहीं भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली ने कहा कि अगर वह सत्ता में आती हैं तो उनका प्रशासन न केवल उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के साथ बल्कि भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया और फिलीपीन सहित कई अन्य देशों के साथ अपने संबंधों का मजबूत करेगा। हेली ने कहा कि अगर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोबारा चुने जाते हैं तो नाटो के साथ संबंधों के लिए खतरा हो सकता है। उन्होंने 'एबीसी न्यूज' से बातचीत में कहा, 'अगर ट्रंप दोबारा चुने जाते हैं तो मैं कई मुद्दों को लेकर चिंतित हूं। नाटो के साथ संबंधों के लिए खतरा उनमें से एक है। नाटो 75 साल की सफलता की कहानी है।' अमेरिका में 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन भरने की दौड़ में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से हेली ट्रंप के खिलाफ एकमात्र उम्मीदवार बची हैं। नाटो 31 सदस्य देशों का एक अंतरसरकारी सैन्य गठबंधन है, जिसमें यूरोप के 29 और उत्तरी अमेरिका के दो देश शामिल हैं। हेली ने कहा कि चीन हमेशा से इस गठबंधन का मुखर विरोधी रहा है। ऐसे में नाटो को मजबूत बनाना जरूरी है।

ऑफ बीट

लोग साजिश के सिद्धांतों पर अपना मन बदल सकते हैं

बहुत से लोग कम से कम एक साजिश सिद्धांत पर विश्वास करते हैं। और यह जरूरी नहीं कि यह बुरी बात हो - साजिशें होती हैं। सिर्फ एक उदाहरण लें तो, सीआईए वास्तव में 1950 के दशक में उन दवाओं और प्रक्रियाओं की पहचान करने के अवैध प्रयोगों में शामिल थी, जो पकड़े गए जासूसों से बयान दिलवा सकते थे। हालाँकि, कई षड्यंत्र सिद्धांत साक्ष्य द्वारा समर्थित नहीं हैं, फिर भी लोग इनपर विश्वास करते हैं। उदाहरण के लिए, पिछले अध्ययन में, हमने पाया कि न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के लगभग सात प्रतिशत लोग इस सिद्धांत से सहमत थे कि विमान के पीछे दिखाई देने वाले निशान एक गुप्त सरकारी कार्यक्रम के हिस्से के रूप में छिड़के गए रासायनिक पदार्थों के 'केमट्रेल्स' होते हैं। ऐसा इसके बावजूद है कि इस सिद्धांत को वैज्ञानिक समुदाय द्वारा पूरी तरह से खारिज कर दिया गया है। यह तथ्य कि विश्वसनीय सबूतों की कमी के बावजूद षड्यंत्र के सिद्धांत लोगों को आकर्षित करते हैं, मनोविज्ञान और अन्य शैक्षणिक विषयों में शोधकर्ताओं के लिए एक पहेली बनी हुई है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में षड्यंत्र के सिद्धांतों पर काफी शोध प्रकाशित हुए हैं।

ट्रेंड

गर्व का विषय

मुझे गर्व है कि मैं एक सिंधिया हूं, एक मराठा हूं। देश की स्वतंत्रता के लिए पिछले 500 वर्षों में जो त्याग और तपस्या मेरे पूर्वजों ने की है, मुझे उससे प्रेरणा भी मिलती है और मैं गौरवान्वित भी महसूस करता हूं।

-ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय मंत्री

असली चेहरा

यह इस चल रही व्यवस्था का असली चेहरा है। यदि आप जनता का पैसा लूटने वाले बड़े बिजनेस टायकून का कर्ज माफ कर सकते हैं, तो जब भारत के किसानों का कर्ज माफ करने की बात आती है तो आप चुप क्यों हैं।

- नवजोत सिंह सिद्धू, कांग्रेस नेता

मन अतीव द्रवित है

भगवान महावीर के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने वाले वर्तमान युग के महान तपस्वी संत जो समस्त संत परंपरा के आदर्श एवं उदाहरण थे, ऐसे पूज्य मुनिवर विद्यासागर जी के देह मुक्ति के समाचार से मन अतीव द्रवित है।

-आचार्य बालकृष्ण, आयुर्वेदाचार्य

मोदी को बुलाना कठिन

मोदी जी को भी बुला लो खाने पे। माता दुलारी का ऐलान। मां कुछ भी बोल सकती है और बोलती है पूरे विश्वास से। और ज़रा समझाइये मेरी माता जी को कि मोदी जी देश के प्रधान मंत्री। उनको खाने पे बुलाना थोड़ा कठिन होगा।

-अनुपम खेर, अभिनेता

हिलव्यू समाचार
राजधानी
जयपुर, बुधवार, 21 फरवरी 2024

राज्यसभा सदस्य चुनाव: BJP ने जीती दो सीटें

सोनिया गाँधी पहली बार राजस्थान से बनीं राज्यसभा सांसद

हिलव्यू समाचार
जयपुर। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी राज्यसभा के लिए राजस्थान से निर्विरोध चुनी गईं। इसके अलावा, भाजपा के चुन्नीलाल गरासिया और मदन राठौड़ को भी राज्यसभा के लिए चुना गया है। मंगलवार को नामांकन पत्र वापस लेने का अंतिम दिन था। राजस्थान विधानसभा के सचिव महावीर प्रसाद शर्मा ने बताया कि किसी अन्य उम्मीदवार ने चुनाव नहीं लड़ा, इसलिए तीनों निर्विरोध राज्यसभा के लिए चुने गए। राजस्थान की 200 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 115 और कांग्रेस के 70 सदस्य हैं। प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीटें हैं। नतीजों के बाद राज्यसभा में राजस्थान से कांग्रेस के छह और भाजपा के चार सदस्य होंगे।

रायबरेली से इस बार नहीं लड़ रहीं लोकसभा चुनाव

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी आम तौर पर उत्तर प्रदेश के रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ती रही हैं। हालांकि इस बार 77 वर्षीय कांग्रेस नेता ने स्वास्थ्य का हवाला देते हुए आगामी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने के ऐलान किया है। सोनिया गांधी ने 14 फरवरी को जयपुर में राज्यसभा के लिए नॉमिनेशन फाइल किया था। यह पहला मौका है जब सोनियां गांधी राज्यसभा सांसद बनी हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की जगह ली है। अप्रैल में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के राज्यसभा का कार्यकाल पूरा हो रहा है।

डोटासरा ने लिया सर्टिफिकेट

सोनिया गांधी की तरफ से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने उनके निर्वाचन का सर्टिफिकेट लिया। बहुमत के हिसाब से यहां निर्विरोध निर्वाचन तय था। सोनिया अब तक लोकसभा चुनाव लड़कर ही संसद पहुंची थी, ये पहली बार है कि वे राज्यसभा जा रही हैं।

समाज कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक के ठिकानों पर ACB की रेड

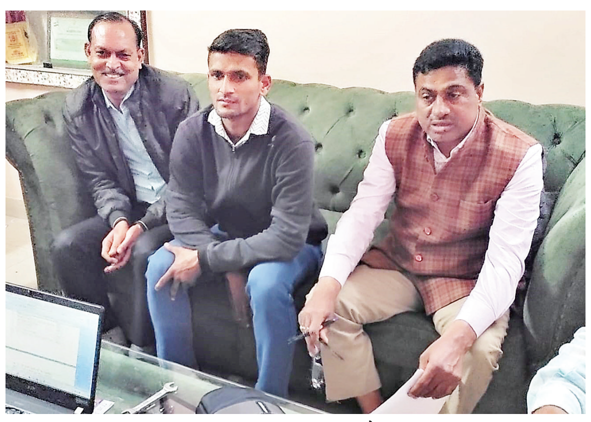

हिलव्यू समाचार
जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को समाज कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक सुवालाल पहाड़िया के ठिकानों पर आय से अधिक संपति होने के मामले में छापे मारे हैं। एसीबी के अफसरों द्वारा सर्च के दौरान आय से कई गुना ज्यादा करोड़ों की जायदाद के दस्तावेज मिले हैं। इस संबंध में एसीबी ने सुवालाल पहाड़िया के खिलाफ आय से अधिक संपति का मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। आरोपी सुवालाल पहाड़िया की पत्नी के नाम से एक बैंक लॉकर मिला है। एसीबी अब लॉकर की बुधवार को तलाशी लेगी। एसीबी के डीजी राजीव शर्मा ने बताया कि आय से अधिक संपति की शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच की गई। जांच के बाद एडिशनल एसपी हिमांशु शर्मा के नेतृत्व में अलग-अलग छह टीमों का गठन किया गया और सुवालाल पहाड़िया के आवास व उसके रिश्तेदार-परिजनों के ठिकानों पर छापे मारकर सर्च किया। आरोपी सुवालाल पहाड़िया ने अपने रिश्तेदारों के नाम से संपति ले रखी है। संपति अब वेल्यू आंकी जाएगी और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

36 आवासीय व कृषि भूमि के मिले दस्तावेज

एसीबी को सर्च के दौरान पहाड़िया के आवास पर जयपुर शहर व आसपास के इलाकों में आवासीय व व्यवसायिक भूखंड, फ्लेट, म्यूचल फंड व इंश्योरेंस में निवेश करने के दस्तावेज मिले हैं। आरोपी, उसके परिजनों और रिश्तेदारों के नाम से 36 आवासीय व कृषि भूखंडों के दस्तावेज मिले हैं, जिनकी कीमत करोड़ों रुपए में है। यह भूखंड सर्विस के दौरान खरीदे हैं, जबकि सुवालाल पहाड़िया की आय भूखंडों की कीमत से कई गुना कम है।

JEN भर्ती 2020 का कराया था पर्चा लीक

50 हजार का इनामी पेपर लीक गिरोह का सरगना नेपाल बॉर्डर से अरेस्ट

हर्षवर्धन (पटवारी)

राजेंद्र (एसआई)

राजेंद्र (टीचर)

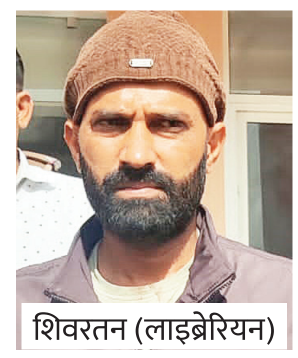
शिवरतन (लाइब्रेरियन)

हिलव्यू समाचार
जयपुर। कनिष्ठ अभियंता भर्ती 2020 के पेपर लीक गिरोह के 50 हजार का इनामी मुख्य सरगना हर्षवर्धन मीणा को नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया है। एटीएस और एसओजी ने यह कार्रवाई की है। एसओजी और एटीएस की टीम ने आरोपी हर्षवर्धन मीणा, राजेंद्र कुमार यादव उर्फ राजू, राजेंद्र कुमार और शिवरतन मोट को गिरफ्तार किया है। आरोपी हर्षवर्धन मीणा दौसा जिले की महुआ तहसील के सालिमपुर गांव का निवासी है। वह पटवारी है। राजेंद्र कुमार यादव थाना कालाडेरा जयपुर और राजेंद्र कुमार यादव पुत्र द्वारका प्रसाद झोटवाड़ा जयपुर निवासी है। वह तृतीय श्रेणी अध्यापक है। शिवरतन मोठ भोजेवाला श्रीगंगानगर निवासी है। वह लाइब्रेरियन है। कनिष्ठ अभियंता भर्ती पेपर लीक मामले में एसओजी अब तक 24 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें 5 परीक्षार्थी है, जबकि 19 आरोपी पेपर लीक गिरोह से जुड़े हुए हैं। आरोपियों को एसओजी ने कोर्ट में पेश किया, जहां से सभी को पूछताछ के लिए रिमांड पर भेज दिया।

एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने बताया कि आरोपी हर्षवर्धन पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था। प्रारंभिक जांच में आरोपी हर्षवर्धन द्वारा 50 अभ्यर्थियों को पेपर उपलब्ध कराने की बात सामने आई है। उन अभ्यर्थियों को चिह्नित करके आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नेपाल में काट रहे थे फरारी

एसीबी की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी हर्षवर्धन महुआ तहसील के सालिमपुर गांव का रहने वाला है और पटवारी के पद पर कार्यरत है। जेईएन भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद आरोपी हर्षवर्धन व राजेंद्र कुमार नेपाल में फरारी काट रहे थे। आरोपी हर्षवर्धन सरकारी स्कूलों के टीचरों से मिलीभगत करके कर्मचारी चयन बोर्ड व आरपीएससी द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक करता था। इसके बदले में हर्षवर्धन सरकारी कर्मचारियों को मोटी रकम देता था। यह रकम परीक्षा के लेवल के हिसाब से दी जाती थी। वहीं अभ्यर्थियों से आरोपी हर्षवर्धन पेपर उपलब्ध कराने के लिए परीक्षा के लेवल के आधार पर 5 लाख से 30 लाख रुपए तक वसूल करता था।

500 से ज्यादा कर रहे हैं सरकारी नौकरी

हर्षवर्धन से अभ्यर्थी पेपर के लिए और उनके स्थान पर डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा में चयन कराने के लिए संपर्क करते थे। आरोपी हर भर्ती परीक्षा का पेपर मोटी रकम देकर हासिल कर लिया जाता था। आरोपी अब तक कर्मचारी चयन बोर्ड व आरपीएससी द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं में 500 से ज्यादा अभ्यर्थियों को फायदा पहुंचा चुका है। जो इन दिनों सरकारी विभागों में कार्यरत है। आरोपी परीक्षाओं में डमी अभ्यर्थी बैठाकर चयन कराने की गारंटी देता था और असली अभ्यर्थियों से 5 से 10 लाख वसूल करता था।

सूचना रखी जाएगी गोपनीय

"एसआईटी को मिलने वाली सूचनाएं गोपनीय रखी जाएगी। कोई भी हेल्पलाइन नंबर 9530429258 और 0141-2609938 नंबर पर भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ होने की सूचना दे सकता है। किसी आरोपी के खिलाफ साक्ष्य मिलने पर बख्शा नहीं जाएगा।

वीके सिंह, एडीजी, एटीएस-एसओजी

बॉर्डर इलाकों में स्टोर होगा बारिश का जल

हरियाणा राजस्थान को देगा सरप्लस बरसाती पानी

दोनों सरकारों के बीच हुआ समझौता

हिलव्यू समाचार
दिल्ली/चंडीगढ़। राजस्थान और हरियाणा के बीच बरसाती पानी के सदुपयोग को लेकर एक समझौता हुआ है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल व राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में दोनों प्रदेशों के बीच यह समझौता हुआ।

हरियाणा की पश्चिमी यमुना नहर (डब्ल्यूजेसी) की क्षमता सरकार ने 18000 से बढ़ाकर 24 हजार क्यूसिक कर दिया है। हरियाणा को अब बढ़े हुए पानी की क्षमता के अनुसार ही पानी मिलेगा। इससे बरसात के मौसम में

बरसाती पानी को समुद्र में व्यर्थ बहने से रोककर उसका सदुपयोग किया जा सके। बार्डर एरिया में पाइप लाइन बिछाकर सूखाग्रस्त भिवानी, दादरी व हिसार जैसे जिलों में इसका उपयोग किया जाएगा। इससे न केवल पूरे हरियाणा को फायदा होगा, बल्कि राजस्थान को भी पानी दिया जाएगा।

एक नज़र

जेडीए-निगम की कालवाड़ रोड पर संयुक्त कार्रवाई

2 अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

हिलव्यू समाचार
जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण और नगर निगम ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले अतिक्रमियों के खिलाफ मंगलवार को संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान जेडीए के प्रवर्तन दस्ते ने जोन -10 में ईकोलोजीकल जोन ग्राम रोपाड़ा में, जबकि नगर निगम टीम के साथ मिलकर जोन-12 में 6 बीघा सरकारी जमीन पर बनी दो अवैध कॉलोनी ध्वस्त कीं। जयपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य प्रवर्तन धर्मेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि जोन-12 में आने वाली कालवाड़ रोड पर करीब 80 स्थानों पर थड़ी-ठेले, तिरपाल, झुग्गी-झोपडी, होर्डिंग-साइन बोर्ड, टीन-शेड, टेबल कुर्सियां, लोहे के एंगल लगाकर अतिक्रमण किया गया था। इससे ट्रैफिक जाम की समस्या रहती थी। इसको जेडीए और नगर निगम की टीम ने हटाया।

जोन-10 के इकोलोजीकल जोन में ग्राम रोपाड़ा में करीब 3 बीघा सरकारी भूमि पर फिर से अतिक्रमण कर 'आरवी रेजीडेन्सी' के नाम से रातों-रात बनाई गई ग्रैवल-मिट्टी की सड़क, बाउन्ड्रीवाल, टीनसेड नुमा कोटरी समेत अवैध निर्माण को जेसीबी की मदद से ध्वस्त किया गया। वहीं, ग्राम रोपाड़ा में ही दूसरी करीब 3 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति के और बिना भू रूपान्तरण करवाए भूमि को समतल कर 'सुनीता विहार' के नाम से बनाई गई ग्रेवल-मिट्टी की सड़कें और अवैध निर्माण को हटाया गया है।

सीएमएचओ की टीम ने वीकेआई में गोदाम पर मारी रेड

9 हजार किलोग्राम मिलावटी घी जब्त

हिलव्यू समाचार
जयपुर। सीएमएचओ की टीम ने विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल इलाके में एक गोदाम पर मारी रेड मार कर राजधानी में 9 हजार किलो मिलावटी घी जब्त किया। इस मिलावटी घी को अमूल, कृष्णा और लोटस जैसे नामी ब्रांड के नाम से बाजार में बेचा जा रहा था। सीएमएचओ की टीम ने घी की खैप को सीज करके इनकी जांच के लिए सैंपल लैब भिजवाए है। सीएमएचओ जयपुर डॉ. विजय सिंह फौजदार ने बताया कि स्थानीय पुलिस की टीम के साथ हमारी टीम ने मंगलवार को शाम करीब 4:30 बजे वीकेआई रोड नंबर 13 पर श्री श्याम सेल्स कॉर्पोरेशन के गोदाम पर छापा मारा। इस दौरान यहां 15 किलो पैकिंग में लोटस ब्रांड के 190 टिन, कृष्णा के 252 टिन, महान के 105 टिन और अमूल घी के 51 टिन बरामद हुए। टीम ने मौके पर जब लोटस कम्पनी के प्रतिनिधियों को बुलाकर ब्रांड की जांच करवाई तो उन्होंने बताया कि ये पैकिंग उनकी न होकर नकली है। इसके बाद टीम ने दूसरे ब्रांड की कंपनियों के प्रतिनिधियों को भी सूचना देकर इसकी जांच करवाने के लिए कहा है। डॉ. फौजदार ने बताया कि प्रथम दृष्टया घी देखने पर मिलावटी लग रहा था, जिसके बाद जब ब्रांड की जांच की गई तो पता चला कि नामी कंपनियों के ब्रांड के नकली पैकिंग करके घी बेचा जा रहा है।

बजरी माफिया ने युवक पर चढ़ाया ट्रैक्टर, मौत

हिलव्यू समाचार
भरतपुर। शहर में अवैध बजरी माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। मंगलवार सुबह मथुरा गेट थाना क्षेत्र के बी नारायण गेट निवासी एक युवक को अवैध बजरी माफियाओं ने ट्रैक्टर से रौंद दिया। जानकारी के मुताबिक सुबह साढ़े 8 बजे अवैध बजरी माफिया बी नारायण गेट स्थित एक मकान निर्माण के लिए बजरी लेकर आए थे। इस दौरान कॉलोनी में उपेंद्र नामक युवक के घर की ट्रैक्टर ट्राली से नाली टूट गई। इस पर उपेंद्र की ट्रैक्टर चालक से नोक झोंक हुई। इससे नाराज ट्रैक्टर चालक ने युवक पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया।

घायल युवक को परिजन जिला आरबीएम अस्पताल ले गए जहां चिकित्साकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जयपुर जंक्शन पर जारी किया क्यूआर कोड

अब रेल यात्री जनरल टिकट के लिए भी कर सकेंगे ऑनलाइन पेमेंट

हिलव्यू समाचार
जयपुर। जयपुर रेलवे स्टेशन पर यात्री जनरल टिकट के लिए भी ऑनलाइन पेमेंट कर सकेंगे।

रेलवे ने प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया विजन को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से मंडल रेल प्रबंधक जयपुर विकास पुरवार के दिशा निर्देशन में जयपुर रेलवे स्टेशन पर अनारक्षित टिकट काउन्टर पर ऑनलाइन भुगतान को और सरल बनाने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करके भुगतान करने की सुविधा शुरू की गई है। इसके तहत जयपुर रेलवे स्टेशन पर प्रथम चरण में 6 यूटीस काउन्टर पर क्यूआर कोड स्कैनर मशीन लगाई गई है जिससे यात्री यूटीएस काउन्टर पर जारी की जाने वाली टिकट के

लिए किराए का भुगतान मशीन पर प्रदर्शित क्यूआर कोड को अपने मोबाइल से स्कैन करके ऑनलाइन माध्यम से टिकट प्राप्त कर सकेंगे। जल्द ही यह सुविधा मंडल के अन्य स्टेशनों पर प्रदान की जाएगी, जिससे यात्री क्यूआर कोड से स्कैन कर ऑनलाइन भुगतान करके आसानी से टिकट प्राप्त कर सकेंगे।

कृष्ण कुमार मीना वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर ने बताया कि यूटीएस काउन्टर पर क्यूआर कोड स्कैनर द्वारा किराये के ऑनलाइन भुगतान की सुविधा प्रारंभ करने से पूर्व यह सुविधा ट्रेनों में भी लागू की जा चुकी है। इसके लिए रेलवे द्वारा सभी टिकट चेकिंग स्टाफ (टीटीई) को टिकट चेकिंग के लिए हैंड हेल्ड टर्मिनल (एचएचटी) उपलब्ध करवाई गई है। इसमे यात्री की ओर से किराए एवं जुर्माना राशि का क्यूआर कोड स्कैनर द्वारा ऑनलाइन भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। इस प्रकार ऑनलाइन भुगतान की सुविधा उपलब्ध होने से टिकट जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं सरलीकरण होगा तथा यात्रियों को भी भुगतान में सुविधा होगी।

ट्रेन में मिले बच्चे को माता-पिता से मिलाने पर टीटीई सम्मानित

ट्रेन में टिकट चैकिंग के दौरान मिले एक बच्चे को अपने परिजनों से मिलाने पर रेलवे ने टीटीई को सम्मानित किया है। जयपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कृष्ण कुमार मीना व मंडल वाणिज्य प्रबंधक विपिन कुमार शर्मा ने टीटीई द्वारा किए गए कार्य की सराहना की व टीटीई को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जानकारी के अनुसार गत 15 फरवरी को राजेन्द्र नगर पटना-अजमेर ट्रेन में डिप्टी सीटीआई आशीष देवरहा को जयपुर से अजमेर तक टिकट चेकिंग के दौरान 11 वर्षीय बच्चा मिला। टीटीई के पूछने पर बच्चे ने अपना नाम अर्जुन व अपनी स्कूल का नाम बताया। इस पर टीटीई नेट के माध्यम से स्कूल के प्रिंसिपल के नम्बर सर्च कर प्रिंसिपल से बात की। जिससे बच्चे के पिताजी के मोबाइल नम्बर प्राप्त कर, उसके पिता से बात की और बच्चे के बारे में जानकारी दी। टीटीई ने अजमेर से जयपुर वापसी गाडी में बच्चे को साथ लाकर जयपुर रेलवे स्टेशन पर बच्चे के माता-पिता को सुपूर्द किया। टीटीई की सजकता को देखते हुए रेलवे ने सम्मानित किया है।

एक नज़र

पुलिसकर्मियों ने घोड़ी पर बैठाकर SP को दी विदाई

दौसा। दौसा जिले की पहली महिला पुलिस अधीक्षक को लोगों ने घोड़ी पर बैठाकर विदाई दी। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में पुलिसकर्मी बैंड बाजे बजाते हुए नजर आए। इस मौके पर आईपीएस वंदिता राणा को घोड़ी पर बिठाकर दौसा शहर में स्वागत सत्कार के साथ विदा किया गया। दौसा जिले की पहली महिला पुलिस अधीक्षक होने का सम्मान रखने वाली राजस्थान पुलिस की आईपीएस ऑफिसर वंदिता राणा का तबादला सिरोही कर दिया गया है। अब दौसा की नई पुलिस अधीक्षक भी एक महिला आईपीएस ऑफिसर रंजीता शर्मा होंगी। जिसके चलते वंदिता राणा का विदाई समारोह आयोजित हुआ।

कोटा जंक्शन की घटना

ट्रेन में पुलिस को चकमा देकर फरार हुई महिला आरोपी

हिलव्यू समाचार

कोटा। कोटा जक्शन पर खड़ी दुरंतो ट्रेन से पुणे पुलिस एक महिला आरोपी को हिरासत में लेकर जा रही थी। लेकिन महिला आरोपी ने पुलिस को चकमा देकर कोटा स्टेशन से फरार हो गई। वहीं, पुणे पुलिस ने सोमवार (19 फरवरी) को जीआरपी थाने में मामला दर्ज करवाया है।

पुणे पुलिस अब राजस्थान की पुलिस के साथ मिलकर फरार महिला आरोपी को खोज रही है। बता दें, कोटा स्टेशन पर दो महीने में दूसरा ऐसा मामला है जब आरोपी ट्रेन से पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि महिला का नाम सानिया है। सानिया किसी साइबर अपराध में अरोपी है। पुणे पुलिस ने सानिया को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। पूणे पुलिस सानिया को दिल्ली-मुंबई दुरंतो (22210) ट्रेन से पुणे ले जा रही थी। रविवार (18 फरवरी) की सुबह 4।10 बजे ट्रेन कोटा पहुंचने पर सानिया करीब आधा दर्जन पुलिसकर्मियों को चकमा देकर फरार हो गई। कोटा से ट्रेन रवाना होने के बाद पुलिस को रास्ते में सानिया के फरार होने का पता चला। इसके बाद पुलिस रतलाम से वापस कोटा पहुंची। यहां पुलिस ने सानिया को तलाशने का काफी प्रयास किया। लेकिन सानिया का कहीं पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस ने जीआरपी थाने में सानिया के फरार होने का मामला दर्ज करवाया।

दो महीने में दूसरा मामला

कोटा स्टेशन पर पुलिस हिरासत से आरोपियों को फरार होने की करीब दो महिने में यह दूसरी घटना है। इससे पहले मुंबई-दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस से भी 25 दिसंबर को हथकड़ी लगा एक आरोपी पुलिस को चमका देकर फरार हो गया था। गनिमत रही थी कि यह आरोपी तलाशी के दौरान प्लेटफार्म नंबर चार के बहार मिल गया था।

टोंक दौरे पर पहुंचे शिक्षा मंत्री, लोकसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

हम हिज़ाब के विरोधी नहीं, समान ड्रेस कोड के पक्षधर

हिलव्यू समाचार

टोंक। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने अपने एक दिवसीय दौरे पर टोंक में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ लोकसभा चुनाव को लेकर बैठक ली। वहीं टोंक में कस्तूरबा आवासीय विद्यालय और पंचायत भवनों का निरीक्षण किया।

टोंक में आयोजित भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए दिलावर ने कहा कि बीजेपी के राष्ट्रीय अधिवेशन में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संदेश दिया है कि केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों के घर-घर जाकर

प्रधानमंत्री के राम राम का संदेश भाजपा के जनप्रतिनिधि तक पहुचाएं। वहीं हिजाब विवाद पर मदन दिलावर से साफ किया कि वह हिजाब के विरोधी न होकर समान ड्रेस कोड के पक्षधर हैं। वहीं इस दौरान शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का राजस्थान में 25 सीट जीतने का दावा किया। इससे पहले शिक्षा मंत्री ने निवाई पंहुचकर टोंक के निवाई में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। उसके बाद वह टोंक में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सोरन (टोंक) का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान जिला प्रमुख सरोज बंसल, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी पन्नालाल बैरवा समेत शिक्षा विभाग और पंचायती राज विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

गाँवों पर भाजपा का विशेष ध्यान

मदन दिलावर ने कहा कि 'प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने विधानसभा चुनावों में जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा की भाजपा सरकार गांव, गरीब, किसान, दलित, वंचित को समर्पित रही है। आज मोदी सरकार में गांव गरीब को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। उन्होने कहा कि भारत केवल विकसित गांवों के साथ ही विकसित हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इसी संकल्प को लेकर गांव चलो अभियान की शुरूआत की गई है। इसका मकसद सभी गांवों तक केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को पहुंचाना है। हमारा प्रयास है कि अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की योजना का लाभ पहुंचे।

जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे नंबर-21 पर मुठभेड़

पुलिस पर गौतस्कर ने चलाई गोलियाँ, ट्रक चढ़ाने का प्रयास

- पुलिस ने भी बचाव में की फायरिंग, मुठभेड़ में एक बदमाश घायल
- ट्रक में देसी कट्टा, जिंदा कारतूस, 8 गायें और 20 लीटर शराब मिली

हिलव्यू समाचार

दौसा। जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे नंबर-21 पर सोमवार रात गोतस्करों को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। इस दौरान तस्करों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। इतना ही नहीं, उन्होंने पुलिसकर्मियों पर ट्रक चढ़ाने का भी प्रयास किया। जवाबी फायरिंग में एक तस्कर घायल हुआ है।

मामला दौसा जिले के सिकंदरा थाना इलाके का है। सिकंदरा थाने के SHO मनोहर लाल मीणा ने बताया- सोमवार रात 1 बजे सिकंदरा थाना को सूचना मिली थी कि ट्रक से गोवंश की तस्करी की जा रही है। ट्रक मेहंदीपुर बालाजी से दौसा की ओर जा रहा था। थाने की नाइट ड्यूटी टीम ने रात 1.30 बजे सिकंदरा टोल पर नाकाबंदी की। एचआर 74ए 4654 नंबर के एक ट्रक ने नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश की। ट्रक में सवार तस्करों ने पुलिस पर एक राउंड फायर किया। बदमाशों ने पुलिस फोर्स पर ट्रक चढ़ाने का प्रयास किया। इस दौरान कांस्टेबल जमशेद ने ट्रक पर सामने से पंप एक्शन गन से दो राउंड फायर किए, जिनमें एक बदमाश घायल हो गया। आरोपियों के पास से एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, ट्रक में 20 लीटर शराब और 8 गायें मिलीं। गायों को सिकंदरा गोशाला भिजवाया गया है। घायल इरशाद का जिला हॉस्पिटल में इलाज कराया गया।

पुलिस ने तस्करी व पुलिस पर हमला करने के आरोप में अहसान (22) पुत्र मुश्ताक निवासी नूंह (हरियाणा) और इरशाद (19) पुत्र उमरदीन निवासी नूंह (हरियाणा) को गिरफ्तार किया गया है। ट्रक को सिकंदरा थाने में खड़ा करा दिया गया है। तस्कर भरतपुर से आए थे। वे सिकंदरा टोल से गुजरने के बाद दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से होकर दिल्ली जाने की फिराक में थे। मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

उपचार के लिए कराया भर्ती

गो तस्करों ने खुद को पुलिस से घिरा देखकर पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी गोतस्करों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक गो तस्कर गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस की जवाबी फायरिंग में घायल हुए बदमाश को पुलिस ने इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। मौके पर ही दो गो तस्करों को दबोच लिया है। इसमें से एक बाल अपचारी है।

दो वाहनों को मारी टक्कर

गोवंश से भरे ट्रक को आता देखकर पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया। मगर, चालक ने ट्रक को भगाने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, ऐसे में बदमाशों ने भागने के चक्कर में टोल पर खड़े दो वाहनों को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। मगर, सिकंदरा थाना पुलिस ने बदमाशों को घेर लिया और निकलने नहीं दिया।

गोशाला में छोड़े गए गोवंश

वहीं, आरोपियों के कब्जे से गोवंश को मुक्त करवाकर गोशाला में छोड़ दिया गया है। सिकंदरा थाना प्रभारी मनोहर लाल मीना ने बताया कि गौतस्कर गोवंश को ट्रक में भरकर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे होते हुए दिल्ली ले जाने की फिराक में थे। मगर, एक्सप्रेसवे पर चढ़ने से पहले ही गौ तस्करों को दबोच लिया गया। इसके चलते वो अपने प्लान में कामयाब नहीं हो पाए।

मंदिर से चोरी हुई 400 साल पुरानी मां चामुंडा की प्राचीन मूर्ति बरामद

हिलव्यू समाचार

जोधपुर। शहर में चौथी शताब्दी में स्थापित मां चामुंडा के प्राचीनतम मंदिर से गुप्त नवरात्रि के दौरान कुछ और सामाजिक तत्वों ने माता की प्रतिमा चोरी कर ली थी। इस वारदात के बाद राजपूत, माली सहित अन्य 36 समाज के लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला।

पुलिस की समझाइश के बाद लोगों का गुस्सा शांत हुआ। यह मामला लोगों की आस्था से जुड़ा होने और सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने की संभावना को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू की और 70 घंटे के बीत आरोपियों को पकड़ लिया।400 साल पुरानी चामुंडा माता की प्रतिमा पुलिस ने बरामद कर ली है।

ये मूर्ति 200 किलोमीटर दूर राजसमंद जिले के गोविंदगढ़ के गुगली गांव में मिली। इस मूर्ति को मंदिर से चोरी करने का पूरा प्लान गुगली गांव के तांत्रिक पति-पत्नी ने मिलकर बनाया था। इसके लिए गांव में सभा की गई और कहा गया-माता जी का आदेश हो गया है। मूर्ति चोरी करने से पहले मंदिर में दो घंटे तक तंत्र विद्या भी की गई। मामला तीन दिन पहले शनिवार का है। मंडोर थाना क्षेत्र के मंडोर गार्डन के पीछे नागदड़ियों की पहाड़ी पर चामुंडा माता का ये मंदिर है। रविवार सुबह जब पुजारी और स्थानीय लोग दर्शन के लिए पहुंचे तो वहां माता जी की प्रतिमा गायब थी।

शहीद स्मारक पर धरना दे रहे राजीव गाँधी युवा मित्रों की माँग

सरकार चाहो तो योजना का नाम बदल दो, पर हमारा रोजगार मत छीनो

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 'सरकार भले ही राजीव गांधी युवा मित्र योजना का नाम बदलकर अटल युवा मित्र या फिर दीनदयाल युवा मित्र योजना कर दे, पर हमसे हमारा रोजगार नहीं छीनें। हम 5000 लोगों का इस योजना की वजह से हमारे परिवार का पालन पोषण हो रहा था।' यह मांग जयपुर के शहीद स्मारक पर धरना दे रहे राजीव गांधी युवा मित्रों ने की।

युवा मित्र संघर्ष समिति के प्रदेश सचिव रामचंद्र नायक ने बताया कि पिछले 1 महीने से बेरोजगार हुए 5000 युवा मित्र शहीद स्मारक पर धरना दे रहे हैं। अब तक सरकार की ओर से हमसे बातचीत तक नहीं की गई। इस गम में हमारे एक साथी की मौत भी हो गई है। बावजूद इसके हमारी सुध लेने वाला कोई नहीं है। जब सरकार कांग्रेसी नेताओं को बीजेपी में शामिल कर सकती है तो फिर क्यों कांग्रेस सरकार की योजना को बंद कर रही है। इसे भी नाम बदल शुरू रखा जाए। सरकार ने समय रहते ऐसा नहीं किया तो इसका नुकसान लोकसभा चुनाव में उठाना पड़ेगा।

कई नेताओं का मिल चुका है समर्थन

नायक ने बताया कि राजीव गांधी युवा मित्रों के समर्थन में कांग्रेस पार्टी के विधायक सचिन पायलट, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली समेत एक दर्जन विधायक और नेता शहीद स्मारक पहुंचकर धरना दे चुके हैं। वहीं, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के विधायक हनुमान बेनीवाल ने भी युवा मित्रों का समर्थन किया था। इसके बाद से ही प्रदेश में सोशल मीडिया पर भी एक बार फिर राजीव गांधी युवा मित्रों को रोजगार देने की मांग जोर पकड़ने लगी है।

क्या है मामला

बता दें कि पूर्व कांग्रेस सरकार के वक्त शुरू हुई राजीव गांधी युवा मित्र को भाजपा सरकार के गठन के बाद बंद कर दिया गया था। इसके बाद पिछले महीने दिसंबर में युवा मित्रों ने शहीद स्मारक पर 5 दिन (27 दिसंबर से 31 दिसंबर) का धरना दिया था। इसके बाद 13 जनवरी से एक बार फिर प्रदेशभर के युवा मित्र सरकार के खिलाफ शहीद स्मारक पर धरना दे रहे हैं, लेकिन अब तक सरकार के स्तर पर इस मुद्दे पर कोई चर्चा तक नहीं हुई है। इसको लेकर अब युवाओं का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है।

भगवान शिव की 1008 प्रतिमाएं की स्थापित

28 साल में तैयार हुए ओम आकार के शिव मंदिर में हुई प्राण-प्रतिष्ठा

हिलव्यू समाचार

पाली। अयोध्या में राम मंदिर के बाद देश के एक और भव्य मंदिर का निर्माण पाली में हुआ है। सोमवार को मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा हुई, जिसमें करीब 25 हजार लोग शामिल हुए। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और ओम के आकार में बना यह दुनिया का पहला मंदिर है। इस शिव मंदिर का निर्माण पाली के जाडन स्थित ओम आश्रम में किया गया है।

इस मंदिर को 500 बीघा में बनाया गया है। इसमें भगवान शिव की 1008 प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। मंदिर को बनने में 28 साल लग गए। इस समारोह में देशभर से साधु-संत, अनुयायी व श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। बताया जा रहा है कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में 25 हजार लोगों को आमंत्रित किया गया, जिनके लिए भोजन की भी व्यवस्था की गई। वहीं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए विदेशों से 2200 मेहमान शामिल हुए। उनके रहने के लिए आश्रम परिसर में अस्थायी कॉटेज बनाकर सभी व्यवस्थाएं की गई। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के तहत सुबह 9 बजे से ओम आश्रम में देव पूजन, ध्वज दंड, शिखर और मूर्ति स्थापना, हवन, पूर्णाहुति, महाआरती व प्रसादी कार्यक्रम हुए। दोपहर 12.30 से 1.30 बजे तक अभिजित मुहूर्त में बांसवाड़ा जिले के राजपुरोहित त्रिपुरा सुंदरी मंदिर के उपासक निकुंजमोहन पंड्या और सह आचार्य पंडित कपिल त्रिवेदी ने मंत्रोच्चारण के साथ विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा करवाई।

चार खंडों में विभाजित है यह मंदिर

दुनिया में ओम् आकार का यह एक मात्र शिव मंदिर है, जिसे बनाने में 28 साल का समय लगा है। 250 एकड़ के आश्रम में मंदिर बीचों बीच बना है। मंदिर के बीच में विश्वदीप गुरुकुल के संस्थापक स्वामी माधवानंद की समाधि है। ओम आकृति वाला यह शिव मंदिर चार खंडों में विभाजित है। एक पूरा खंड भूगर्भ में बना हुआ है जबकि तीन खंड जमीन के ऊपर हैं। भूगर्भ में समाधि के चारों तरफ सप्त ऋषियों की मूर्तियां हैं। सबसे ऊपर के भाग में ज्योतिर्लिंग है। चार मंजिला इमारत में स्कूल-कॉलेज होंगे।

10 से शुरू थे प्रतिष्ठा महोत्स के कार्यक्रम: इस अनूठे शिव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 10 फरवरी से शुरू हो गया था। इस दौरान शिव महापुराण कथा 10 से 18 फरवरी हुई। संत चिदम्बरानंद सरस्वती ने कथा वाचन किया। कथा के दौरान भक्तों के लिए भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई। कथा के दौरान रोजाना 5 हजार भक्तों ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। आयोजन में पहले दिन 10 फरवरी को हेमादी श्रवण प्रायश्चित हवन, दशविध स्नान, मण्डप रचना शुद्धिकरण से शुरू हुए। 11 फरवरी को गणेश पूजन, स्वस्ति पुण्याहवाचन, मंडप प्रवेश, वर्णार्चन-मंडपादी, आवाहित स्थापित देवता पूजन हुआ। 12 फरवरी को शिव महापूजन, सहस्त्रार्चन, पंच वक्र पूजन स्थापित देवता पूजन, मंडप देवता पूजन किया गया। इसके बाद 13 फरवरी को अग्नि स्थापन गणेश महापूजन, सहस्त्र मोदकार्पण, ग्रह होम श्री ललिता सहस्त्रार्चन, श्री ललिता सहस्त्र होम किया गया। 14 फरवरी वसंत पंचमी को महारुद्र प्रारम्भ किया गया, मां सरस्वती की पूजन शोभा यात्रा निकाली गई और गंगा कलश यात्रा की गई।

टेक्नोलाइफ / मधु सिंह

कहीं आपको भी कंट्रोल तो नहीं कर रहा डिजिटल रिमोट

सोशल मीडिया एडिक्शन में फंसे व्यक्ति को अक्सर इसका एहसास ही नहीं होता है। अगर आपको भी ऐसा लगता है तो खुद को चेक करें और डिजिटल रिमोट से फ्री होने के लिए कुछ बातों को फॉलो करें।

अगर आप रोज दिन में कम से कम एक बार खुद से प्रॉमिस करती हैं कि कल से मैं सोशल मीडिया में आधा घंटे से ज्यादा का समय नहीं बिताऊंगी लेकिन अगले दिन फिर दो-तीन घंटे का समय सोशल मीडिया पर बर्बाद कर देती हैं, तो मानिए कि आपको डिजिटल रिमोट, कंट्रोल कर रहा है। इससे फ्री होने के लिए तुरंत एलर्ट होना होगा।

तब समझें आपको है एडिक्शन : डिजिटल एडिक्शन को समझने के कई तरीके हैं।

- अगर हर दिन सुबह उठकर सबसे पहले आंखें मलते हुए आप अपने फोन की स्क्रीन पर नजर डालती हैं और जल्द से जल्द यह चाहती हैं कि जब आप सो रही थीं, तब किसने क्या किया या किस-किसने आपसे इस दौरान संपर्क किया, तो समझ जाइए कि आप इस चक्रव्यूह में फंसी हुई हैं।
- अगर आपने खबरों को जानने के लिए, अखबारों को किनारे कर दिया है। टीवी चैनलों को देखती नहीं हैं। सिर्फ ज्यादा से ज्यादा व्हाट्सएप संदेशों के सहारे रहती हैं या सोशल मीडिया में आ रही बहसों के जरिए खबरों को पकड़ने की कोशिश करती हैं, तो जान जाइए कि आप डिजिटलमेनिया की गिरफ्त में हैं।

खुद को करें कंट्रोल: एडिक्शन से फ्री होने के लिए आपको खुद को ऐसे कंट्रोल करना चाहिए।

- बहुत सख्ती से दिन का एक निश्चित समय ही सोशल मीडिया के लिए फिक्स करें।
- हर दिन अपने घर के सदस्यों को कम से कम 15 से 20 मिनट व्यक्तिगत रूप से बातचीत करने, उनका हाल-चाल पूछने या अपनी निजी बातों को बताने के लिए रखें। धीरे-धीरे आप सोशल मीडिया की गैरजरूरी गिरफ्त से बाहर निकल आएंगी और अभी तक अगर इस गिरफ्त का शिकार नहीं हैं तो बची रहेंगी।
- अखबार पढ़िए, अपने दूर के परिजनों से फोन पर बातें करिए। हर दिन कम से कम किसी किताब के पांच पन्ने पढ़ें। अगर आप ये कर सकती हैं तो डिजिटल एडिक्शन के मकड़जाल से बची रहेंगी।

दुनिया भर में बढ़ रही समस्या

यह सच है कि डिजिटल एडिक्शन की इस समस्या से दुनिया भर में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाली 70 फीसदी से ज्यादा महिलाएं ग्रस्त हैं। सिर्फ सामान्य घरेलू महिलाएं ही नहीं, कॉर्पोरेट सेक्टर में अच्छे पदों पर काम कर रही महिलाएं भी इस डिजी-एडिक्शन के चक्रव्यूह का शिकार हैं। हर दिन पूरी दुनिया में 6 अरब घंटे से ज्यादा समय की बर्बादी इस डिजिटल नशे के कारण होती है, जिसे इंटरनेट रिमोट कर रहा होता है।

अपने मन के मुताबिक कुछ खास कर रही महिलाओं को कई बार पति या बच्चों की वजह से अपनी जिंदगी की राह बदलनी पड़ती है। इस बदलाव से ना निराश हों, ना ही घबराएं। बदलाव को स्वीकार करें और नए सिरे से सक्रिय हो जाएं। निश्चित ही जिंदगी को नई राह मिलेगी, जो आपकी ख्वाहिशें पूरी करेंगी, खुशी देंगी।

कभी बंद नहीं होता री-स्टार्ट का रास्ता

कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा

आभा चौबीस साल की थी तभी उसकी शादी हो गई। ससुराल के बदले माहौल में आगे पढ़ने के उसके सपने अधूरे रह गए। दो बच्चों की संभाल-देखभाल करते हुए बत्तीस साल की राधिका ने एक स्कूल में टीचर के रूप में पढ़ाना शुरू किया ही था कि पति का ट्रांसफर दूसरे शहर में हो गया। घर-परिवार की जिम्मेदारियों से बरी होने के बाद अट्ठावन वर्षीया सुदर्शना ने अपनी हमउम्र सखियों के एक समूह से जुड़कर घूमने-फिरने की योजना बनाई कि तभी उनके बेटे ने अपने पास विदेश बुला लिया। ऐसे उदाहरण हमारे परिवेश में आम हैं। महिलाओं की सहज गति से चलती जिंदगी अचानक नई दिशा में मुड़ जाती है। पति हो या बच्चे, अपनों के जीवन की दिशा बदलने से उनको नए मोड़ पर मुड़ना होता है। जीवनसाथी या बच्चों की चुनी राह उनके लिए भी नए रास्ते पर चलने के हालात बना देती है। यह परिवर्तन हर बार सहज नहीं होता। महिलाओं की घर तक सिमटी जिंदगी को पूरा परिवेश नया सा लगता है। ऐसे में हर बार नई शुरुआत करने की सोच जरूरी है। जिंदगी के हर पड़ाव पर री-स्टार्ट करने की मनः स्थिति बनी रहे, यह जरूरी है।

बदलाव को स्वीकार कीजिए

कभी भी जगह बदलने के साथ ही अपनी योजनाओं को ठंडे बस्ते में ना डालें। जीवन में वक्त के साथ कई मोड़ आते रहते हैं। अहम बात यह है कि उन नए रास्तों पर आप खुद को किस तरह गतिमान रखती हैं। रफ्तार कम या ज्यादा हो सकती है पर ठहराव नहीं आना चाहिए। बदलाव को स्वीकारने और हर हाल में, हर जगह कुछ बेहतर करने की सोच का रास्ता तलाशने से ही आपकी सक्रियता बनी रह सकती है। इन हालातों में असहजता और डर को छोड़ बदलाव को मन से स्वीकारें।

नए लोगों से मिलिए

कहते हैं कि जो वक्त के साथ बदल जाता है, वह स्वयं को संवारता है। इसीलिए जिंदगी के रास्तों पर आने वाले हर घुमाव के बाद मंजिल पर सकारात्मक मनोदशा के साथ पहुंचें। खुद में सिमट जाने के बजाय नए लोगों से मिलने में रुचि लें। कई बार तो नई जगहों पर जाने के बाद सजग-सक्रिय जीवनशैली वाली महिलाएं खुद को एक परिधि में बांध लेती हैं। लंबे समय तक सुबह-शाम की सैर के लिए भी घर से बाहर नहीं निकलतीं। ऐसी एक्टिविटीज लोगों से जुड़ने का रास्ता खोलती हैं। नई जगह पर, नए लोगों से मेल-जोल बनाने में मदद मिलती है।

नया सीखिए

बदलाव से डरना मानवीय व्यवहार का हिस्सा है। हर एक नए परिवर्तन से विपरीत परिस्थितियों का सामना होने की

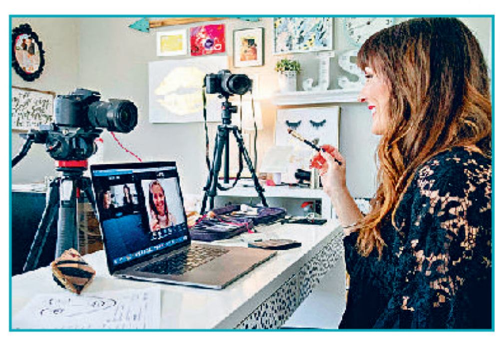

चिंता जुड़ी होती है। महिलाएं तो यूं भी किसी तरह के बदलाव को लेकर ज्यादा डरती हैं। ऐसे में शहर या देश ही बदल जाए तो अनजाने से भय और अनचाही उलझनों से सामना होता ही है। इन हालातों में कुछ नया सीखने की राह पकड़िए। अपनी हॉबी या पसंद के मुताबिक कोई क्लास ज्वाइन कर लेना व्यस्तता और आपसी मेल-जोल दोनों के लिए अच्छा कदम साबित होगा।

सधी-सक्रिय दिनचर्या रखें

नई जगह पर गिनती के दिनों में ही बच्चे स्कूल-कॉलेज और पति दफ्तर में व्यस्त हो जाते हैं। वहीं महिलाएं घर में ही सिमट जाती हैं। सहज सी एक्टिविटीज भी बंद कर देती हैं। ऐसे में सबसे पहले तो सधी और स्वस्थ दिनचर्या अपनाएं। इसके लिए लोगों से जुड़ने और माहौल को जानने के लिए वॉलेंटियरिंग भी कर सकती हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से जुड़ने की राह निकालिए। लोगों से आपको सभी तरह की एक्टिविटीज की जानकारी मिल सकती है। इस जानकारी से आपका अकेलापन दूर होगा। सधी-सक्रिय जीवनशैली और नए परिवेश में रुचि लेने से ही यह सब संभव हो सकेगा।

स्वीकार कीजिए चुनौती

नई जगह के समाज, संस्कृति और प्राकृतिक माहौल को समझने की परिस्थितियों को चुनौती की तरह लें। कुछ समय में आपको नए परिवेश को जानने-समझने में आनंद आने लगेगा। बदले परिवेश में बोझ लगने वाली नई शुरुआत, एक ताजगी भरा अनुभव भी बन सकती है। मन को थकाने वाली स्थिति मन को 'री-बूट' भी कर सकती है। खान-पान हो या पहनावा, अगर रुचि ली जाए तो स्थानीय चीजों से जुड़ना आपको नई जगह से जोड़ने वाला साबित होता है। किसी भी तरह के पूर्वाग्रह को मन में जगह देने के बजाय खुलकर जीवन के नए मोड़ पर कदम बढ़ाने की चुनौती स्वीकारें।

लाइफस्टाइल / शिखर चंद जैन

पर्सनालिटी होगी इंप्रेसिव मिलेगी सक्सेस-रेस्पेक्ट

प्रोफेशनल लाइफ हो या फिर पर्सनल लाइफ, सक्सेसफुल होने के लिए और रेस्पेक्ट पाने के लिए आपकी पर्सनालिटी का इंप्रेसिव होना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कुछ बातों को अपने बिहेवियर में शामिल करके अपनी पर्सनालिटी को इंप्रेसिव बना सकती हैं। ये बातें कौन-सी हैं, जानिए।

हर कोई चाहता है, उसकी पर्सनालिटी ऐसी हो कि लोग उससे इंप्रेस हों। इंप्रेसिव पर्सनालिटी का फायदा यह मिलता है कि लोग उसकी बातों को इंपॉर्टेंस देते हैं, उसकी रेस्पेक्ट करते हैं। इंप्रेसिव पर्सनालिटी से प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ में भी फायदा मिलता है, एक खुशी भी मिलती है। आपकी पर्सनालिटी इंप्रेसिव रहे, इसके लिए आप कुछ बातों को जरूर अमल में लाएं-

चिंता मुक्त रहें : चिंता के भाव आपकी पर्सनालिटी और कार्य कुशलता को कमजोर बनाते हैं। इससे आप एनर्जेटिक नहीं नजर आतीं। बातचीत का लहजा प्रभावी नहीं रह पाता। इसकी वजह से यही होती है कि आप हमेशा चिंता में डूबी रहती हैं, आपका दिमाग कहीं और होता है। ऐसी स्थिति में आप खुलकर प्रभावी तरीके से बात नहीं कर पातीं, आपका प्रेजेंटेशन बिगड़ जाता है। आप जिन कारणों के लिए चिंता करती हैं, उनमें से ज्यादातर को दूर करना आपके हाथ में नहीं होता। इसलिए बेहतर होगा कि आप उन कामों में जुट जाएं, जिसे आप कर सकती हैं। यूनान के प्रसिद्ध चिंतक, दार्शनिक प्लेटो ने कहा है, 'मनुष्य के जीवन में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिसके लिए बहुत चिंता की जाए।'

पहनावे पर दें ध्यान: आप कितना भी कह लें कि लोग आपके पहनावे पर ध्यान नहीं देते, लेकिन अनुभव यही कहते हैं कि पहली नजर में आपका पहनावा, सजा-संवरा लुक ना सिर्फ दूसरों को इंप्रेस करता है बल्कि आपके कॉन्फिडेंस को भी बढ़ाता है। उल्टा-सीधा और ढीला-डाला पहनावा आपकी लापरवाही को दर्शाता है। आपका इंप्रेशन बिगाड़ता है।

पॉजिटिव रहें : जो लोग पॉजिटिव सोच रखते हैं, उनसे हर कोई प्रभावित होता है। इसलिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करते समय हमेशा पॉजिटिव रहें। किसी ने आपको कोई खुशखबरी सुनाई तो आपकी बातों से उसके प्रति ईर्ष्या नहीं झलकनी चाहिए। 'आपकी तकदीर अच्छी है', 'हम तो वहीं के वहीं रह गए, आपसे ज्यादा मेहनत करते हैं लेकिन क्या करें हमारा नसीब खोटा है।' इस तरह की बातें ना करें।

ऐसा भी करें

अपने आस-पास के लोगों से रिश्ते बनाकर रखें, सोशल बनें। लोगों से शालीनता, विनम्रता से बात करें। उनके दुख-सुख में शामिल हों। कोई आपकी सराहना करे तो उसे सहजता से स्वीकार करें। खुद को कभी अंडरएस्टिमेट ना करें। काम टालने के बहाने ना ढूंढ़ें। अपने जरूरी कामों को शिद्दत से करें, लक्ष्य हासिल करने के लिए मेहनत करें। मन में आशंकाएं ना रखें। अपना आत्मविश्वास मजबूत रखें। किसी प्रकार के बदलाव से ना डरें। आप अपने जीवन में बदलाव चाहती हैं तो इसके लिए दूसरों का मुंह ना ताकें। ना ही उन्हें इसके लिए दोष दें कि वे आपका सपोर्ट नहीं करते।

एडवाइस / विनीता

पड़ने ना दें रिश्तों में दरार

कई बार छोटी-छोटी बातों को लेकर लोगों के बीच मतभेद हो जाते हैं, रिश्ते में दरार भी पड़ जाती है। हमें यह समझना चाहिए, हमारे रिश्तों में प्यार के साथ मामूली तकरार एक स्वाभाविक बात है। हर इंसान का व्यक्तित्व दूसरे से अलग होता है, ऐसे में यह जरूरी नहीं है कि हमें दूसरों की हर बात पसंद आए। फिर कई बार दूसरों की कोई बात हमारे दिल को चुभ जाती है, हम नाराज होकर उससे बातचीत बंद कर देते हैं।

इसीलिए अपने मन में हमेशा के लिए नाराजगी पालने से बेहतर यही है कि आपसी बातचीत की मदद से हम अपने रिश्ते को पहले की तरह सहज बना लें। इस प्रयास में हमें कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

शुरुआत हो सही: नाराज व्यक्ति से बातचीत की शुरुआत हमेशा सकारात्मक भाव से करें। अगर किसी से हमें कोई परेशानी है तो पहले उसे अपनी समस्या से अवगत कराएं और समाधान के लिए उससे सुझाव मांगें। इससे वह व्यक्ति अपने आप सम्मानित महसूस करेगा और हम भी सकारात्मक ढंग से अपनी बात उसके सामने रख पाएंगे।

अंदाज में हो शालीनता: क्रोध सोचने-समझने की शक्ति खत्म कर देता है, इसलिए हमारे मन में चाहे कितनी ही नाराजगी क्यों ना हो, बातचीत के दौरान आक्रामक ना रहें, शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखें।

जब जरूरी हो तभी शिकायत करें: अच्छे संबंध के लिए मामूली बातों को भूल जाने में ही भलाई है। बार-बार दूसरों पर आरोप लगाने से हमारी छवि एक शिकायती इंसान की बन सकती है।

माफ करें: अगर कोई व्यक्ति अपनी गलती पर शर्मिंदा है तो उसे माफ कर दें, ऐसा करना बड़प्पन और उदारता की निशानी है। अगर आप इन बातों का ध्यान रखेंगी तो कभी भी आपके रिश्ते में कोई दरार नहीं आएगी।

बात करने से बनेगी बात

कभी भी नाराजगी में बात करना ना बंद करें। संवादहीनता किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, इससे उलझनें सुलझने के बजाय और भी उलझ जाएंगी। ऐसे में अगर अपने किसी प्रियजन के लिए आपके मन में कोई शिकायत हो तो दूसरों से उसकी निंदा करने से बेहतर है कि हम खुद उस व्यक्ति से बात करके उसे बताएं कि उसके व्यवहार से हमारा मन बहुत आहत है, साथ ही उसकी बातें भी ध्यान से सुनकर समझने की कोशिश करें कि गलती कहां हुई? जब दोनों लोग एक-दूसरे की बातें समझने की कोशिश करेंगे, सारी गलतफहमी अपने आप दूर हो जाएगी।

गार्डनिंग / अनु आर.

तब गर्मियों में भी ले सकेंगी हरी-भरी सब्जियों का स्वाद

जाड़े में उगने वाली सब्जियां जैसे फूलगोभी, बैंगन, टमाटर और गाजर गर्मी के मौसम में अकसर महंगी मिलती हैं। लेकिन आप चाहें तो अपने किचेन गार्डन में इन्हें अभी लगाकर, गर्मियों में इनका स्वाद ले सकती हैं।

अगर मई, जून की चिलचिलाती गर्मियों में आप अपने किचेन गार्डन में उगी ऑर्गेनिक फूलगोभी, बैंगन, गाजर, पालक, टमाटर, लोबिया, हरी धनिया, ब्रोकली और पत्तागोभी जैसी सब्जियों का आनंद लेना चाहती हैं, तो इसी महीने में ही इनके बीज अपने किचेन गार्डन में बो दें या इनके पौधे लगा दें।

फूलगोभी-ब्रोकली : गर्मियों में फूलगोभी और ब्रोकली, सर्दियों के मुकाबले 4 से 5 गुना तक महंगी हो जाती हैं, इसलिए गर्मियों में इस महंगी सब्जी का स्वाद ले सकें, इसके लिए जरूरी है कि जल्द से जल्द गमलों या फिर अपने किचेन गार्डन की मिट्टी को उगाने लायक बनाकर फूलगोभी के बीज बो दें। चाहें तो पास की किसी वेजीटेबल नर्सरी से एक हफ्ते या दस दिन की उम्र के गोभी के पौधे लाकर अपनी बगिया में लगा दें। गोभी के पौधे अच्छी तरह से ग्रो करें, इसके लिए वातावरण में ठंडक होनी जरूरी होती है इसलिए फरवरी का हल्का ठंडा मौसम फूलगोभी के विकास के लिए बहुत अच्छा होता है। गोभी चाहे बीजों से उगाई जाए या नर्सरी से पौधे लाकर लगाई जाए, यह 80 से 85 दिन के भीतर फूल देने लगती है, जिन्हें सब्जी के तौर पर इस्तेमाल कर उनका स्वाद ले सकते हैं।

टमाटर : गर्मियों में टमाटर भी काफी महंगे हो जाते हैं और इन्हें भी अपने किचेन गार्डन में फरवरी में ही उगा लेना चाहिए या बाजार से इनकी पौध लाकर गमलों, ग्रो बैग या जमीन में लगा देना चाहिए, ताकि अप्रैल के मध्य तक आपको टमाटर मिल सकें। अगर टमाटर को घर में भी बीजों से उगाएं तो पहले उन्हें एक जगह उगा लें, फिर उन्हें कम से कम 6-6 इंच की दूरी पर या अलग-अलग गमलों में लगाएं। दो से तीन हफ्तों में टमाटर के पौधे अच्छी तरह से ग्रो करने लगते हैं, इसलिए इन दिनों इन्हें भरपूर सूरज की रोशनी मिलनी चाहिए। टमाटर का पौधा प्रतिदिन कम से कम 6 से 8 घंटे की धूप पाकर ही बेहतर ढंग से विकास करता है।

बैंगन : गोभी की तरह ही इन दिनों बैंगन भी आसानी से उगाए जा सकते हैं। बैंगन के लिए भी कम सर्दियों का यह मौसम बहुत उपयुक्त होता है। फरवरी के महीने में बैंगन के पौधे अच्छी तरह से ग्रो करते हैं। अगर ग्रो बैग में इन्हें उगाना है या गमले में उगाना है तो भी 12X12 इंच वाले ग्रो बैग या गमले इस्तेमाल करें। अगर नर्सरी से लाकर बैंगन के पौधे लगाने हैं तो फरवरी अंत तक लगाया जा सकता है और अप्रैल के मध्य या आखिर तक बैंगन के पौधों में फल आने शुरू हो जाते हैं। बैंगन के पौधे 55 से 60 दिनों के भीतर फल देने लगते हैं।

गाजर : गाजर भी उन गिनी-चुनी सब्जियों में होती है, जो बाजार में मई, जून के महीनों में बहुत महंगी हो जाती है। ऐसे समय लोग सलाद में भी गाजर नहीं खा पाते। गर्मियों में किचेन गार्डन में गाजर भरपूर फसल देती है, बशर्ते इन्हें कम से कम 80 से 90 दिन पहले यानी फरवरी में बो दिया जाए या नर्सरी से लाकर इनके पौधे लगा दिए जाएं।

देख-रेख भी है जरूरी : गर्मियों में हर उस सब्जी का मजा आप ले सकती हैं, जो बारिश या उसके बाद के सर्दी के मौसम में होती हैं। बस देख-रेख की थोड़ी ज्यादा जरूरत पड़ती है। इसलिए इस मौसम में आपकी बगिया में लौकी, पत्तागोभी, प्याज, हरी मटर और शिमला मिर्च भी आसानी से उगाए जा सकते हैं। किचेन गार्डन में सब कुछ उगाना बहुत आसान और सरल है, क्योंकि गमलों के अपने किचेन गार्डन को आप जरूरत के हिसाब से छाया में रख सकती हैं और जरूरत हो तो उन्हें भरपूर धूप भी दिखा सकती हैं। लेकिन किचेन गार्डन का बेहतर उपयोग तभी संभव है, जब आप हर दिन कम से कम एक से दो घंटे इनकी देखभाल को दें। हर पौधे की अच्छे से देख-रेख करें, उसकी निराई-गुड़ाई से लेकर पानी और खाद देने का काम खुद करें और तरह-तरह की बीमारियों से बचाव के लिए इंसेक्टिसाइड्स का यूज करें।

स्किन से जुड़ी कई तरह की कॉमन प्रॉब्लम्स को रिमूव करने में सेलीसाइक्लिक एसिड इफेक्टिव होता है। ऐसे में आप अपनी स्किन टाइप और प्रॉब्लम को ध्यान में रखकर सेलीसाइक्लिक एसिड वाले फेस वाश को यूज कर सकती हैं।

स्किन केयर / अंजू जैन

सेलीसाइक्लिक एसिड दूर करे स्किन प्रॉब्लम्स-निखारे ब्यूटी

हमारी स्किन को पिंपल्स, रिंकल्स, झाइयों और तरह-तरह की अन्य प्रॉब्लम्स से बचाने में कुछ प्रोडक्ट अहम भूमिका निभाते हैं। इन्हीं में से एक है, सेलीसाइक्लिक एसिड वाला फेसवाश। विशेष रूप से ऑयली स्किन वालों के लिए यह एक इफेक्टिव प्रोडक्ट है। यह एक पावरफुल केमिकल एक्सफोलिएटर है, जो स्किन में गहराई तक जाकर ट्रीटमेंट करता है।

क्या है सेलीसाइक्लिक एसिड : यह एक बीटा हाइड्रोक्सी एसिड होता है, जो कुछ पौधों में पाया जाता है। इसमें एंटीइंफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। इसमें डेड स्किन सेल्स को रिमूव करने की अद्भुत क्षमता होती है। कई एंटी एक्ने फेस वॉश प्रोडक्ट्स और स्किन क्लीनिंग प्रोडक्ट्स में इसका यूज किया जाता है। यह ब्लैक हेड्स और व्हाइट हेड्स को हटाने में विशेष रूप से कारगर होता है।

स्किन पर ऐसे करता है काम : स्किन पर अप्लाई करने के बाद सेलीसाइक्लिक एसिड उसमें गहराई तक प्रवेश कर जाता है। एक बार एब्जॉर्ब होने के बाद यह रोम छिद्रों यानी पोर्स को ब्लॉक करने वाले पदार्थों को निकाल देता है। यहां यह एंटीइंफ्लेमेशन का रोल भी निभाता है, इससे स्किन में मौजूद एक्स्ट्रा ऑयल भी निकल जाता है।

ऐसे करें अप्लाई : अगर आपको एक्ने की समस्या है तो दिन में दो बार चेहरे को सेलीसाइक्लिक एसिड युक्त फेस वॉश से धो सकती हैं। अगर आपकी स्किन नॉर्मल टाइप की है तो दिन में एक बार इसका इस्तेमाल काफी है। ड्राय या सेंसिटिव स्किन वालों को सेलीसाइक्लिक एसिड युक्त प्रोडक्ट्स इस्तेमाल नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे स्किन और ड्राय हो सकती है।

करता है एक्सफोलिएशन : हमारी कई स्किन प्रॉब्लम्स, इसकी लेयर पर मौजूद डेड स्किन सेल इकट्ठा होने से पैदा होती हैं। सेलीसाइक्लिक एसिड वाला फेस वाश परफेक्ट तरीके से एक्सफोलिएशन करता है। इसके तहत यह स्किन के पोर्स में घुसकर डेड सेल्स, फ्लेकी स्किन को हटा देता है और हेयर पोर्स को खोल देता है।

क्लीनिंग में भी परफेक्ट : सेलीसाइक्लिक एसिड युक्त फेस वाश, स्किन पर जमी धूल, मिट्टी, तेल, बैक्टीरिया आदि को बखूबी साफ करके निकाल देता है, जिससे स्किन पर कोई इंफेक्शन नहीं होता है और इसमें ग्लो भी आता है।

झाइयां हटाए: सेलीसाइक्लिक एसिड में मौजूद एस्ट्रिंजेंट गुणों के कारण यह झाइयां, दाग धब्बे, पिगमेंटेशन को कम करता है। साथ ही यह स्किन को टाइट भी करता है, जिससे स्किन यंग लगने लगती है।

(ब्यूटी एक्सपर्ट प्रीति जैन से बातचीत पर आधारित)

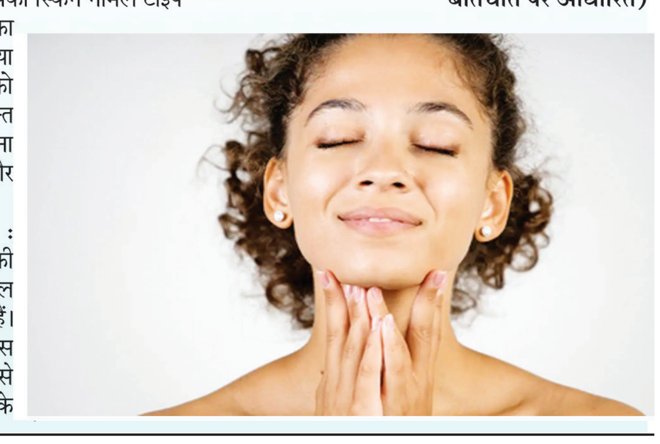

शंभू बॉर्डर पर डटीं हज़ारों महिलाएँ

एजेंसी ▶▶ पटियाला

केंद्र से चौथे दौर की बैठक से पहले पटियाला के शंभू बॉर्डर पर माहौल शांतिपूर्ण है। युवाओं के जोश और बुजुर्गों के हौसले को बड़ी संख्या में महिलाओं का साथ मिल रहा है। वे लगातार मोर्चे पर डटी हैं। कुछ महिलाएं बच्चों को भी साथ ले आईं हैं। वहीं, झड़प में घायल किसान इलाज करवाकर वापस मोर्चे में शामिल हो रहे हैं। किसानों का कहना है कि बैठक में मांगों का हल हो गया तो ठीक है, वरना मोर्चा फतेह करके ही घरों को लौटेंगे। बॉर्डर से पहले करीब 5 किलोमीटर तक सड़क हजारों ट्रैक्टर-ट्रालियों से पट गई है।

वॉलंटियर ही मोर्चा संभाल रहे

किसान नेताओं के वॉलंटियर ही मोर्चा संभालते दिखे। ये वॉलंटियर नौजवानों से लगातार अपील करते दिखे कि वह बॉर्डर की तरफ न जाएं। वहीं, बॉर्डर से करीब एक किलोमीटर पहले लगाई रस्सी पर भी ड्यूटी देते रहे।

अपने संकट में हों तो हम चुप नहीं रहेंगे

रोपड़ से 70 साल की सविंदर कौर का कहना है कि उसने अपने गांव में संदेश भेज कर और महिलाओं को भी मोर्चे में जल्द पहुंचने को कहा है। जालंधर से पहुंची 75 साल की कुलविंदर कौर, 60 साल की परमजीत कौर, जसवीर कौर ने कहा कि जब अपने संकट में हों तो फिर घर की महिला कैसे चुप रह सकती है? जैसे ही उन्हें तनावपूर्ण स्थिति का पता चला, तुरंत यहां मोर्चे में पहुंच गईं। करीब 15 महिलाओं का जत्था पहुंचा है।

खबर संक्षेप

सुनवाई से पहले आप के 3 पार्षद भूमिगत

चंडीगढ़। मेयर चुनाव को विवाद के बीच सियासी गठजोड़ चरम पर है। आपने इस चुनाव को लेकर

जहां सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, वहीं आप के 3पार्षद भाजपा के संपर्क में बताए जा रहे हैं। एक पुरुष और दो महिला पार्षद भाजपा के संपर्क में हैं। बताया जा रहा है कि तीनों पार्षद जल्द गुरुग्राम में सीएम मनोहर लाल की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

लोकमान्य से टकराकर जेसीबी के उड़े परखच्चे

मुगलसराय। डीडीयू जंक्शन से वाराणसी जा रही 22168 लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस हादसे

की शिकार हो गई। बिना फाटक क्रॉसिंग पार कर रहे जेसीबी से ट्रेन टकरा गई। दुर्घटना में ट्रेन का इंजन क्षतिग्रस्त हो गया। जेसीबी के परखच्चे उड़ गए। जेसीबी का ड्राइवर दुर्घटना में घायल हो गया, जिसे वाराणसी रेफर किया गया। यात्री बाल-बाल बच गए।

संदेशखाली केस की जांच पर 'सुप्रीम' फैसला आज

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली गांव में महिलाओं के कथित यौन उत्पीड़न मामले की

जांच और सुनवाई राज्य से बाहर स्थानांतरित करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। शीर्ष कोर्ट इस मामले में सोमचारको सुनवाई करेगा। संदेशखाली मामले की सुनवाई जस्टिस बीवी नागरत्ना और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ करेगी।

हरिद्वार सीट से पिता-पुत्र दोनों चुनाव के दावेदार

हरिद्वार। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस से पूर्व सीएम हरीश रावत और उनके पुत्र वीरेंद्र रावत ने

हरिद्वार सीट पर अपनी दावेदारी पेश की है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ लोकसभा सीट से मैदान में उतरने से हाथ खड़े कर दिए हैं। पांचों लोकसभा सीटों पर 35 दावेदारों के नामों पर दिल्ली में हुई कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में चर्चा हुई।

हवाई अड्डे पर 45.44 लाख का सोना जब्त

मंगलुरु। मंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के सीमा शुल्क अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर शौचालय के जल

निकासी पाइप में छिपाकर रखा 45,44,600 रुपए मूल्य का 733 ग्राम सोना जब्त किया है। आव्रजन आगमन क्षेत्र में एक शौचालय के जल निकासी पाइप के भीतर सोने को पेस्ट के रूप में एक काले रंग की थैली के अंदर छिपाया गया था। फिलहाल सोने का पता नहीं चल पाया है।

शाह ने कहा- देश में चुनावों के दौरान हिंसा फैलाने वाला गठबंधन है आईएनडीआईए अलायन्स

मोदी 3.0 में देश आतंकवाद, अलगाववाद और नक्सलवाद से पूर्ण मुक्त हो जाएगा

- 100 साल बाद भी सरकारें गिराने के कांग्रेस के रिकॉर्ड को कोई तोड़ नहीं पाएगा: गृहमंत्री
- शाह ने राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को किया संबोधित

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि मोदी 3.0 में देश आतंकवाद, अलगाववाद और नक्सलवाद से पूर्ण मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में चुनावों के दौरान हिंसा फैलाने वाला गठबंधन है आईएनडीआई अलायन्स।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की उपस्थिति में रविवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारतीय जनता पार्टी के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए यह बातें कही।

गृहमंत्री शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसानों को सालाना 6,000 रुपए करने, अर्थव्यवस्था को पांचवें स्थान पर पहुंचाने और नक्सलवाद, उग्रवाद और आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कदम उठाने का श्रेय दिया, साथ ही विपक्षी पार्टियों के गठबंधन पर भी निशाना साधा। इसके साथ ही गृहमंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में योग्यता-आधारित, प्रदर्शन-आधारित राजनीतिक ढांचे के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और इसकी तुलना वंशवादी पार्टियों के नेतृत्व की भूमिकाओं में पारिवारिक उत्तराधिकार को प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति से की।

पारिवारिक पार्टियों की तुलना भाजपा के लोकतांत्रिक लोकाचार से की

उन्होंने कहा कि कुछ पारिवारिक पार्टियों के अपने सदस्यों को मुख्यमंत्री बनाने के एकमात्र लक्ष्य की ओर इशारा किया, इसकी तुलना भाजपा के लोकतांत्रिक लोकाचार से की, जहां एक बूथ कार्यकर्ता भी राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री बन सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियां गिनवाते हुए और ऐलान किया कि 2024 में मोदी 3.0 की सरकार आने वाली हैं और पहली बार देश का गौरव दूनिया ने महसूस किया है। श्री शाह नें संदेशखाली हिंसा पर कहा कि टीएमसी के राज में महिलाओं के अधिकार का हनन किया जा रहा है। इंडी अलायंस देश में लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। अमित शाह ने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि यह सभी परिवारवादी पार्टियां इस तरह की लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं करने में लगी रही कि कभी भी देश में जनमत स्वतंत्र रूप से उभरकर न आए।

भाजपा में बूथ पर काम करने वाला सर्वोच्च पद पा सकता है

शाह ने कहा कि भाजपा में बूथ का काम करने वाला एक व्यक्ति देश का राष्ट्रपति भी बन सकता है और प्रधानमंत्री भी बन सकता है। देश की राष्ट्रपति एक जनजातीय परिवार से आती हैं। हमने सभी जनजातियों का सम्मान किया। इस देश का उप राष्ट्रपति एक किसान का बेटा है।

डेवलपमेंट अलायंस बनाम डायनेस्टिक अलायंस

शाह ने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक पार्टी नहीं होती तो एक चाय बेचने वाले का बेटा प्रधानमंत्री नहीं बन सकता था।अब देश में डेवलपमेंट अलायंस (एनडीए) बनाम डायनेस्टिक अलायंस (आईएनडीआईए) है।

विपक्ष हर चीज का विरोध कर रहा

शाह ने कहा कि मोदी जी के 10 वर्षों में आज देश विकसित भारत का स्वप्न लेकर आगे बढ़ रहा है। घमंडिया गठबंधन आज हर चीज का विरोध करने लगे हैं।

केरल और बंगाल में हमारे सैकड़ों कार्यकर्ता मारे गए

शाह ने कहा, केरल में हमारे 100 से ज्यादा कार्यकर्ता शहीद हो गए, 300 से ज्यादा अपाहिज हो गए। वहां इंडी अलायंस का शासन है।

शाह की महत्वपूर्ण बातें

मोदी के 10 साल के शासनकाल में समग्र विकास हुआ

शाह ने कहा कि 75 साल में इस देश ने 17 लोकसभा चुनाव, 22 सरकारें और 15 प्रधानमंत्री देखे हैं। देश में हर सरकार ने अपने समय पर विकास करने का प्रयास किया है, लेकिन आज मैं बिना किसी कन्फ्यूजन के कह सकता हूं कि समग्र विकास, हर क्षेत्र का विकास और हर व्यक्ति का विकास करने का काम केवल मोदी जी के 10 वर्षों में हुआ है। हर किसान को हर साल 6 हजार रुपए देना और अर्थव्यवस्था को 11वें नंबर से पांचवें नंबर पर लाने का काम मोदी जी ने किया है।

नक्सलवाद, उग्रवाद और आतंकवाद आखिरी सांसें गिन रहा है

शाह ने कहा कि मोदी जी के 10 साल तक के कार्यकाल में देश में नक्सलवाद, उग्रवाद और आतंकवाद आखिरी सांसें गिन रहा है। सालों तक ये बहस रही कि ये गांवों की सरकार है या शहरों की।मोदी जी ने देश को भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण, जातिवाद, वंशवाद आदि से मुक्ति दिलाई है। मोदी जी ने 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस' की स्थापना की।

कांग्रेस 'घमंडिया' का सरताज

शाह ने कहा कि अगले चुनाव में दो खेमे आमने-सामने हैं। एक तरफ है मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए का गठबंधन और दूसरा है कांग्रेस के नेतृत्व में सारी परिवारवादी पार्टियों का घमंडिया गठबंधन। घमंडिया गठबंधन भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण का पोषक है और एनडीए राष्ट्र प्रथम पर।

परिवारवादी पार्टियों का सिर्फ एक लक्ष्य- अपने बेटों को सीएम बनाना

इंडिया गठबंधन का राजनीति में उद्देश्य क्या है?सोनिया गांधी का लक्ष्य राहुल गांधी को पीएम बनाना, पवार का बेटी को सीएम बनाना, ममता दीदी का भतीजे को सीएम बनाना और स्टालिन का बेटे को सीएम बनाना।

राजस्थान में हिज़ाब पर फिर गरमाया माहौल

बच्चों के साथ स्कूल पहुँचे परिजन, कर दिया हंगामा

एजेंसी ▶▶ जोधपुर

राजस्थान में हिजाब पर मचा बवाल फिर गरमा गया है। एक बार फिर से कोहराम मचने लग गया है। इस बार यह बवाल सूबे के जोधपुर जिले में मचा है।

ताजा मामला जोधपुर ग्रामीण के पीपाड़ क्षेत्र से जुड़ा है.।यहां के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नंबर 2 में पढ़ने वाली मुस्लिम छात्राओं ने हिजाब पहनकर स्कूल आने की बात कही। इस पर स्कूल प्रशासन की ओर से यूनिफॉर्म कोड में विद्यालय आने के आदेश दिया गया।उसके बाद बच्चों के गुस्साए परिजन शनिवार को स्कूल पहुंच गए और वहां हंगामा कर डाला। हंगामा बढ़ता देख स्कूल में पुलिस जाब्ता बुलाया गया।

प्रधानाचार्य बोले

निर्धारित स्कूल ड्रेस कोड में आने को कहा था

स्कूल के प्रधानाचार्य रामकिशोर सांखला ने बताया कि हमने सिर्फ सरकार की ओर से जो निर्धारित स्कूल ड्रेस कोड है उसमें आने के लिए बोला था। इस पर समुदाय विशेष के लोग यहां आकर हंगामा करने लगे। पार्षद मुजफ्फर खलीफा और पालिका उपाध्यक्ष के पति प्रधानाचार्य से गाइडलाइन मांगने लगे।

पुलिस ने मामला शांत कराया

बवाल बढ़ने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने समझाइश कर लोगों को शांत किया। स्कूल पहुंचे परिजनों का आरोप था कि सरकार आज है कल नहीं रहेगी, लेकिन अध्यापक हमेशा यही रहने वाले हैं। इनको इसका खामियाजा भुगतना ही पड़ेगा।

शिक्षा मंत्री ने दी थी हिदायत

राजस्थान की भजनलाल सरकार के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने एक बयान दिया था। इस बयान में उन्होंने राज्य सरकार की सभी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को निर्धारित ड्रेस कोड में स्कूल आने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि मदरसों में भी ड्रेस कोड तय है। इसके साथ ही निजी स्कूलों में भी अपने स्तर पर ड्रेस तय कर सकते हैं। सरकारी स्कूलों में कोई भी मनचाही ड्रेस पहनकर आने की अनुमति नहीं है।

उत्तर प्रदेश जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

कई परियोजनाओं का शुभारंभ के साथ शिलान्यास भी करेंगे

एजेंसी ▶▶ संभल

पीएम नरेंद्र मोदीव 19 फरवरी को उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे। इस दौरान पीएम श्री कल्कि धाम मंदिर का शिलान्यास करेंगे।

पीएम यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के चौथे ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह में पूरे उत्तर प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक लागत की 14000 परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। इस दौरान पीएम मोदी एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। बता दें कि कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम हैं, जिन्हें हाल ही में कांग्रेस से 6 साल के लिए निष्कासित किया गया था।

पीएम का संबोधन कार्यकर्ताओं में जोश भरेगा। लोकसभा चुनाव तक के सफर का एजेंडा भी उन्हें मिलेगा। पीएम कल्कि धाम के शिलान्यास समारोह में भाग लेने के लिए 19 फरवरी को संभल आएंगे। लोकसभा के चुनाव से पहले पीएम का संभल दौरा मंडल की सियासत के लिए अहम हो सकता है।

धर्मांतरण के ख़िलाफ़ नया कानून लाएगी विष्णुदेव

60 दिन पहले देना होगा ब्योरा नहीं तो होगी सज़ा और जुर्माना

एजेंसी ▶▶ रायपुर

धर्मांतरण से जूझ रहे छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण को रोकने जल्द ही कानून बनाया जाएगा। विष्णुदेव सरकार शीघ्र ही धर्म स्वतंत्र विधेयक लाएगी। इस यहां के संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि सरकार नया कानून लाएगी।

विधानसभा के इसी सत्र में धर्म स्वतंत्र विधेयक लाया जाएगा। धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति से रक्त या गोद लेने संबंधी जुड़ा हुआ व्यक्ति इसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा सकता है। यह गैर-जमानती होगा। कोर्ट पीड़ित को 5 लाख रुपए तक का मुआवजा मंजूर

कर सकता है। नाबालिग, महिलाओं या एससी-एसटी के लोगों का अवैध रूप से धर्म परिवर्तन कराने वालों को कम से कम दो साल और 10 साल की जेल हो सकती है। 25 हजार का जुर्माना भी लग सकता है। सामूहिक धर्म परिवर्तन पर 3साल और अधिकतम 10 साल की सजा और 50 हजार रुपए जुर्माना लगेगा।

सूरजकुंड शिल्प मेले में उमड़े लोग

फरीदाबाद। फरीदाबाद जिले में रविवार को 37वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले में आगंतुकों की भीड़ उमड़ पड़ी।

कांग्रेस विधायकों की चुप्पी से असमंजस में झारखंड सरकार

खरगे से मिले चंपई, मुद्दों को सुलझाने पर की बात

नाराज कांग्रेस के कई विधायकों ने भी दिल्ली में डाला डेरा

एजेंसी ▶▶ दिल्ली/रांची

झारखंड में चंपई सोरेन सरकार के कैबिनेट विस्तार के बाद से कांग्रेस के कुछ विधायक नाराज हैं। इस दौरान वे सभी विधायक दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। आशंका है कि ये सभी विधायक विधायक मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात करेंगे।

ऊहापोह के बीच झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन और कांग्रेस प्रभारी ने अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दी है। कोल्हान टाइगर के नाम से मशहूर झारखंड के सीएम चंपई सोरेन दिल्ली पहुंचे और वह रविवार को कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। मुलाकात से पहले उन्होंने कहा था कि हम गठबंधन के नेता हैं और उनसे मिलने आए हैं। इस दौरान झारखंड कांग्रेस के भी अन्य नेता मौजूद थे।

खास बातें

- कैबिनेट विस्तार से कांग्रेस के विधायक नाराज
- अब मंत्रियों पर ही लगाया बड़ा आरोप

चंपई बोले- कांग्रेस विधायकों की नाराजगी से कोई लेना-देना नहीं

चंपई सोरेन ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे से हमारी मुलाकात और कांग्रेस विधायकों की नाराजगी से हमारा कोई लेना-देना नहीं है। यह कांग्रेस का अंदरूनी मामला है। इस विषय पर हमें कुछ नहीं कहना है, जो भी कहना होगा, वही लोग कहेंगे।

कई विधायकों ने मंत्रियों पर काम न करने का आरोप भी लगाया

उधर, झारखंड में कांग्रेस विधायकों के नाराजगी की अटकलों पर झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि चंपई सरकार से उन विधायकों की कोई नाराजगी नहीं है। उनके अपने निर्वाचन क्षेत्र और पार्टी से जुड़े कुछ मुद्दे हैं। वे पार्टी नेतृत्व से मिलेंगे और उनके मुद्दों को सुलझाने का प्रयास किया जाएगा।दरअसल, सोरेन सरकार में पुराने चार विधायकों को मंत्री बनाने को लेकर कांग्रेस के कुछ विधायक नाराज हैं। ये सभी हेमंत सरकार में भी मंत्री रहे हैं। इन सभी विधायकों का आरोप है कि इन मंत्रियों ने कोई काम नहीं किया है।

वायनाड पहुंचे राहुल

हाथियों के हमले के मृत पीड़ितों से की मुलाकात, संवेदना व्यक्त की

एजेंसी ▶▶ वायनाड

कांग्रेस नेता और वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र का दौरा किया और हाल ही में जंगली हाथियों के हमले के दो पीड़ितों के घर जाकर संवेदना व्यक्त की।

राहुल अपने निर्वाचन क्षेत्र में मानव-पशु संघर्ष के समाधान की मांग कर रहे स्थानीय लोगों के उग्र होते विरोध के मद्देनजर वाराणसी में न्याय यात्रा को रोकने के बाद शनिवार रात पड़ोसी कन्नूर जिले में पहुंचे।राहुल अजी के घर पर 20 मिनट से अधिक समय तक रुके। अजी को पिछले हफ्ते वायनाड जिले के मननथावाड़ी इलाके में एक

रेडियो कॉलर लगे हाथी ने कुचलकर मार डाला था, जिसके बाद बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था। अजी के परिजनों से मुलाकात के बाद वन विभाग के इको-टूरिज्म गाइड पॉल के आवास पर गए और वहां कुछ समय बिताया। इको-टूरिज्म गाइड पॉल को शक्रवार को कुरुवा द्वीप के पास एक जंगली हाथी ने मार डाला था।

दिग्गजों पर भारी पड़े युवा, यशस्वी की अगुवाई में दिखाया कि अनुभव सब कुछ नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की घरेलू टेस्ट श्रृंखला के पहले मैच में भारत की हार के बाद टीम की बल्लेबाजी पर सवाल उठे थे लेकिन दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच में टीम के युवा बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन किया। इस श्रृंखला के दौरान यशस्वी जायसवाल ने खुद को आक्रामक सलामी बल्लेबाज के तौर पर स्थापित किया और लगातार दो दोहरे शतक जड़कर इस 22 साल के खिलाड़ी ने साबित किया कि वे लंबी रेस के घोड़े हैं। राजकोट में उन्होंने अपनी पारी की शुरुआत में धैर्य से बल्लेबाजी की और क्रीज पर समय बिताने के बाद बेखौफ होकर बड़े शॉट लगाए। अनुभवी जेम्स एंडरसन के खिलाफ तीन छक्के उनके आत्मविश्वास की कहानी बयां करते हैं। उन्होंने दिखाया कि वह जरूरत के मुताबिक रक्षात्मक और आक्रामक दोनों शैली में सहजता से खेल सकते है।

जायसवाल ने दो दोहरे शतक जड़ साबित किया कौशल

सरफराज, जुरेल ने किया प्रभावित

राजकोट टेस्ट में पदार्पण करने वाले सरफराज खान और विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने भी अपने खेल से प्रभावित किया। सरफराज ने दोनों पारियों में अर्धशतक जड़कर टीम में शामिल होने का जश्न मनाया तो वहीं जुरेल ने पहली पारी में 46 रन बनाकर बेहतर बल्लेबाजी का सबूत दिया। जुरेल को हालांकि स्पिनरों की मददगार पिचों पर अपने विकेटकीपिंग कौशल को थोड़ा और निखारने पर काम करना होगा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा भी युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन से प्रभावित दिखे। उन्होंने यशस्वी, सरफराज और ध्रुव की तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा, 'ये आजकल के बच्चे।'

स्पिनरों को धूना

लंबे समय से राष्ट्रीय टीम का दरवाजा खटखटा रहे सरफराज को दिग्गज विराट कोहली और लोकेश राहुल की गैरमौजूदगी में जब मौका मिला तो उन्होंने अपनी पारी की पहली ही गेंद से पूरा आत्मविश्वास दिखाया। यह लंबे समय से घरेलू क्रिकेट में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन का परिणाम था। भारतीय बल्लेबाज आम तौर पर स्वीप शॉट खेलने से बचते हैं लेकिन सरफराज ने अपने ज्यादातर रन इसी शॉट पर बनाए। उन्होंने स्पिनरों के खिलाफ इस शॉट का प्रभावी इस्तेमाल किया।

विकेट पर मजबूत निगाहें

जुरेल विकेटकीपर के तौर पर पहली पारी में स्पिनरों के खिलाफ कई बार असहज दिखे लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने अच्छी वापसी की। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को उन्होने शानदार प्रयास के साथ रन आउट किया।

बुमराह को मिलेगा विश्राम राहुल की वापसी संभव

भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ 23 फरवरी से रांची में खेले जाने वाले चौथे टेस्ट मैच से विश्राम मिल सकता है जबकि जांघ की मांसपेशियों में चोट से उबर कर लोकेश राहुल टीम में वापसी कर सकते हैं। पांच मैचों की इस श्रृंखला में बुमराह सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज हैं। उनके नाम तीन मैचों में 17 विकेट है। भारतीय टीम रांची में श्रृंखला जीतने के लिए अच्छी स्थिति में है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो घरेलू टीम को सात मार्च से धर्मशाला में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए बुमराह की सेवाओं की काफी जरूरत होगी।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तानों ने 'बैजबॉल' रणनीति की बखिया उधेड़ी

'यह स्टोक्स और ब्रेंडन मैकुलम के नेतृत्व में सबसे खराब हार थी और इसने उनकी रणनीति को उजागर किया। वे हर मौके पर आक्रामक नहीं हो सकते, उन्हें अपने लम्हों को चुनना होगा।'
- माइकल वॉन

'बैजबॉल आक्रामक होने के बारे में है लेकिन यह दबाव झेलने के बारे में भी है।'
- नासिर हुसैन

'जब उन्होंने एजबेस्टन में पहली गेंद पर यह शॉट खेला तो मुझे बिल्कुल भी आपत्ति नहीं हुई क्योंकि सब इस बात पर निर्भर था कि इंग्लैंड उस दिन दबदबा बनाने के लिए कितने रन बनाने वाला था। इसने ड्रेसिंग रूम में सभी को संदेश भेजा कि इंग्लैंड का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने जा रहा है। रूट आज रात अपने कमरे में बैठकर सोचेगा 'मुझे लगता है कि मैंने वहां गलती की है'।
- एलिस्टेयर कुक

खबर संक्षेप

मुझे संन्यास शब्द पसंद नहीं : लैनिंग

बेंगलुरु। मेग लैनिंग को 'संन्यास' शब्द पसंद नहीं है लेकिन ऑस्ट्रेलिया की यह पूर्व कप्तान चकाचौंध से दूर खुश हैं और महिला प्रीमियर लीग सहित दुनियाभर की फ्रेंचाइजी आधारित क्रिकेट लीग में अपने जुनून को आगे बढ़ा रही हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए 132 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 3405 रन बनाने वाली लैनिंग ने पिछले साल नवंबर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने पिछले साल डब्लूपीएल के पहले टूर्नामेंट में दिल्ली कैपिटल्स की अगुआई की और नौ मैच में 345 रन के साथ टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर रहीं।

पंजाब के 'राज्य आइकन' बने क्रिकेटर शुभमन

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल को 'राज्य आइकन' बनाया है। मुख्य

निर्वाचन अधिकारी सिबिन सी ने सोमवार को बयान में कहा कि गिल विभिन्न अभियान का हिस्सा बनेंगे जिनका लक्ष्य मतदाताओं के बीच जागरूकता पैदा करना है जिससे कि मतदान प्रतिशत 70 प्रतिशत के आंकड़े को पार कर सके। निर्वाचन अधिकारियों ने 'इस बार 70 पार' का लक्ष्य बनाया है। पंजाब में 2019 के लोकसभा चुनावों में 13 सीटों के लिए 65.96 प्रतिशत मत पड़े थे।

दीया, घोष की विदेश में ट्रेनिंग को मंजूरी

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल ने टेबल टेनिस खिलाड़ियों दीया चितले और स्वस्तिका घोष को शीर्ष स्तर की ट्रेनिंग के लिए क्रमशः

दक्षिण कोरिया और जापान की यात्रा करने की अनुमति दे दी है। दीया जहां शिन मिन सुंग के मार्गदर्शन में दक्षिण कोरिया के पाजू-सी में ट्रेनिंग करेंगी तो वहीं स्वस्तिका जापान के ओसाका में कियू जियान शिन से ट्रेनिंग लेंगी।

विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप

भारत ने उज्बेकिस्तान को दी मात, हारी पुरुष टीम

महिला टीम ने 3-0 से दर्ज की जीत

अर्चना ने रिमा को, मनिका ने मारखाबो को और दीया ने रोजालिना को हराया

एजेंसी ▶▶| बुसान

भारतीय महिला टीम ने विश्व टेबल टेनिस टीम चैंपियनशिप में सोमवार को यहां उज्बेकिस्तान को हराया लेकिन पुरुष टीम को मेजबान दक्षिण कोरिया के खिलाफ लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। आयहिका मुखर्जी और श्रीजा अकुला को आराम दिए जाने के बावजूद भारत ने उज्बेकिस्तान को 3-0 से शिकस्त दी। अर्चना कामत और दिया चितले ने मौके का फायदा उठाते हुए अपने मुकाबले जीते जबकि टीम की सीनियर साथी मनिका बत्रा ने भी जीत दर्ज करते हुए भारत को 3-0 से जीत दिलाई।

अर्चना ने रिमा गुफ्रानोव को 11-7, 11-3, 11-6 से शिकस्त दी जबकि मनिका ने मारखाबो मेगदिएवा को 11-7, 11-4, 11-1 से हराया। दीया ने कड़े मुकाबले में रोजालिना खादजिएवा को 11-6, 10-12, 11-4, 11-6 से हराकर भारत की जीत सुनिश्चित की। चीन के खिलाफ 2-3 की हार के साथ अपना अभियान शुरू करने वाली भारतीय महिला टीम लगातार दो जीत के बाद ग्रुप एक में दूसरे स्थान पर चल रही है। ग्रुप एक के अपने अंतिम मुकाबले में टीम मंगलवार को स्पेन से भिड़ेगी। टीम ने पिछले मैच में हंगरी को 3-2 से हराया था।

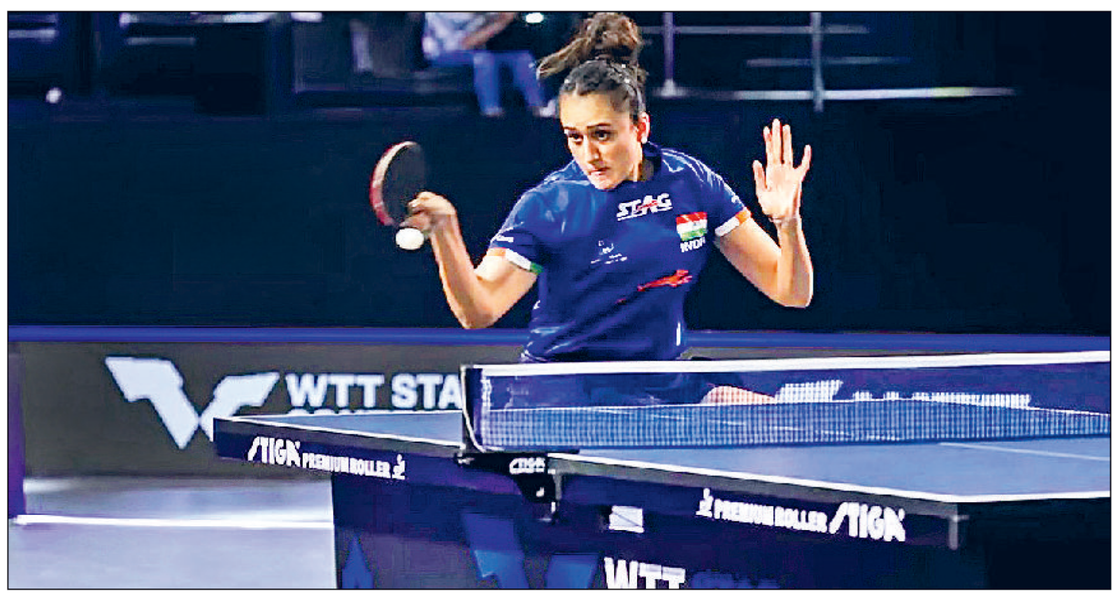

पुरुष वर्ग में अनुभवी खिलाड़ी शरत, हरमीत और साथियान हारे

पुरुष वर्ग में अनुभवी शरत कमल, मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन हरमीत देसाई और जी साथियान अपने-अपने एकल मुकाबले हार गए जिससे भारत को तीसरे वरीय कोरिया के खिलाफ ग्रुप चरण के अपने तीसरे मुकाबले में 0-3 से एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 67वें स्थान के साथ भारत के शीर्ष खिलाड़ी हरमीत को दुनिया के 14वें नंबर के जैंग वूजिन के खिलाफ 4-11, 10-12, 8-11 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद साथियान दुनिया के 16वें नंबर के खिलाड़ी लिम जोंगहून के खिलाफ 5-11, 7-11, 7-11 से हार गए जिससे भारत 0-2 से पिछड़ गया। शरत ने ली सैन सु के खिलाफ दूसरा गेम जीता लेकिन लय बरकरार रखने में नाकाम रहे और उन्हें 9-11, 11-8, 6-11, 5-11 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

यूनाईटेड की चौथी जीत

होलुंड ने सिर्फ 37 सेकंड में दागे सबसे तेज गोल

एजेंसी ▶▶| लुटोन

रासमुस होलुंड के शुरुआती सात मिनट में दागे दो गोल की मदद से मैनचेस्टर यूनाईटेड ने रविवार को यहां लुटोन को 2-1 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग में लगातार चौथी जीत दर्ज की।

होलुंड ने सिर्फ 37 सेकेंड में पहला गोल दागा जो यूनाईटेड के इतिहास में विरोधी के मैदान पर सबसे तेज गोल है। उन्होंने सातवें मिनट में दूसरा गोल करके यूनाईटेड की बढ़त दोगुनी की। होलुंड लगातार छह मैच में गोल दाग चुके हैं। लुटोन के लिए कप्तान कार्लटन मौरिस ने 14वें मिनट में हैडर से गोल दागा लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाए। लुटोन को बराबरी हासिल करने में कई मौके मिले लेकिन टीम इनका फायदा नहीं उठा सकी। इंजरी टाइम में टीम का एक शॉट क्रॉसबार से भी टकराया। होलुंड अपने शुरुआती 14 लीग मैच में यूनाईटेड के लिए गोल दागने में नाकाम रहे थे लेकिन पिछले छह मैच में सात गोल कर चुके हैं। डेनमार्क का यह 21 वर्षीय खिलाड़ी प्रीमियर लीग में लगातार छह मैच में गोल करने वाला सबसे युवा खिलाड़ी है। उन्होंने जो विलोक के रिकॉर्ड को तोड़ा।

बायर्न म्यूनिख की लगातार तीसरी हार

बर्लिन। बायर्न म्यूनिख को रविवार को यहां लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा जब बोकुम ने बुंदेसलिगा फुटबॉल मुकाबले में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 11 बार के गत चैंपियन को 3-2 से हराया। इस हार के बाद बायर्न म्यूनिख की टीम शीर्ष पर चल रहे बायर्न लिवरकुसेन से आठ अंक पीछे है जबकि 12 दौर का खेल बाकी है। बायर्न म्यूनिख को पिछले सप्ताहांत लीवरकुसेन में 0-3 से हार झेलनी पड़ी थी जबकि चैंपियंस लीग में लाजियो ने भी उसे हराया।

घरेलू क्रिकेट के 5 दिग्गजों ने किया संन्यास का ऐलान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

घरेलू क्रिकेट में अपनी विशेष छाप छोड़ने वाले पांच दिग्गज खिलाड़ियों ने रणजी ट्रॉफी के इस सत्र के समापन के साथ ही खेल को अलविदा कहने का फैसला किया है। इन खिलाड़ियों में बंगाल के दिग्गज मनोज तिवारी, झारखंड के बल्लेबाज सौरभ तिवारी और तेज गेंदबाज वरुण आरोन, मुंबई के धवल कुलकर्णी और विदर्भ के रणजी ट्रॉफी विजेता कप्तान फैज फजल शामिल हैं।

इन सभी खिलाड़ियों ने संन्यास लेने के अलग-अलग कारण बताए हैं जिनमें इंडियन प्रीमियर लीग का अनुबंध नहीं होना तथा राष्ट्रीय टीम

में जगह बनाने की उम्मीद समाप्त होना है। इन कारणों से ये खिलाड़ी दूसरे काम या फिर राजनीति से जुड़ना चाहते हैं। आरोन, मनोज और फजल ने उसी मैदान पर अपने कॅरियर को अलविदा कहा जिसमें उन्होंने अपनी यात्रा की शुरुआत की थी। इन खिलाड़ियों की घरेलू क्रिकेट में निश्चित तौर पर कमी खलेगी।

हमारा टीम संतुलन बेहतर हुआ है : मंधाना

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि नये खिलाड़ियों को शामिल करने के बाद उनकी टीम का संतुलन काफी बेहतर हुआ है और इससे उन्हें 23 फरवरी से शुरू होने वाले महिला प्रीमियर लीग के दूसरे सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। आरसीबी के लिए पहला सत्र निराशाजनक रहा था तथा उसे अपने आठ मैचों में से छह मैच में हार का सामना करना पड़ा था। उसकी टीम पांच टीमों वाली प्रतियोगिता में चौथे नंबर पर रही थी। दूसरे सत्र के मैच नयी दिल्ली और बेंगलुरु में खेले जाएंगे।

रियल को रेयो ने बराबरी पर रोका...

मैड्रिड। रियल मैड्रिड को स्पेनिश फुटबॉल लीग में रविवार को यहां रेयो वालेकानो ने 1-1 से बराबरी पर रोक दिया जबकि अंतिम स्थान पर चल रहे अल्मेरिया ने अनचाहा रिकॉर्ड बनाया जब वह ला लिगा में लगातार 28 मैच जीतने में नाकाम रहने वाली पहली टीम बना। अल्मेरिया ने ग्रेनाडा से 1-1 से ड्रॉ खेला। टीम मौजूदा सत्र में लगातार 25वां मैच जीतने में नाकाम रही जबकि पिछले सत्र में भी अपने अंतिम तीन मुकाबले नहीं जीत पाई थी।

केकेआर में गस की जगह चमीरा शामिल

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के लिए इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन के विकल्प के तौर पर सोमवार को श्रीलंका के दुष्मंता चमीरा को टीम में शामिल किया। आईपीएल आयोजकों ने बयान में कहा कि चमीरा 50 लाख रुपए की आधार कीमत पर केकेआर से जुड़े हैं। श्रीलंका का यह तेज गेंदबाज 2018 और 2021 सत्र में क्रमशः राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर का हिस्सा रह चुका है। चमीरा ने 2022 सत्र में लखनऊ सुपर जाइंट्स का प्रतिनिधित्व किया और 12 मैच में नौ विकेट चटकाए।

चार दिन चले ग्रेपलिंग टूर्नामेंट के विजेताओं को ट्राफी, मेडल देकर किया गया सम्मानित

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ग्रेपलिंग में चैंपियन बनी जेजेटीयू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली/झुंझुनूं

अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ व श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला यूनिवर्सिटी कैम्पस में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ग्रेपलिंग टूर्नामेंट में मेजबान श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी झुंझुनूं महिला व पुरूष वर्ग में पहले स्थान पर रहते हुए ओवरऑल चैंपियन बनी। विजेताओं को यूनिवर्सिटी प्रेजीडेंट डॉ देवेन्द्र सिंह ढुल व डायरेक्टर एस्टेट इंजीनियर बालकृष्ण टिबड़ेवाला ने ट्राफी सौंपी। चार दिन चले ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ग्रेपलिंग टूर्नामेंट 2023-24 में पुरूष वर्ग में श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी झुंझुनूं 79 अंक के साथ पहले स्थान पर, माधव यूनिवर्सिटी पिंडवाड़ा 22 अंक के दूसरे स्थान पर, महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड यूनिवर्सिटी बरेली 21 अंक के साथ तीसरे व देश भगत यूनिवर्सिटी खन्ना, पंजाब 19 अंक के साथ चौथे स्थान पर रही। इसी प्रकार महिला वर्ग में श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी झुंझुनूं 77 अंक के साथ पहले स्थान, देश भगत यूनिवर्सिटी खन्ना, पंजाब 26 अंक के साथ दूसरे स्थान पर, वीएनएसजी यूनिवर्सिटी सूरत 13 अंक के साथ तीसरे स्थान पर व चौधरी बंसीलाल यूनिवर्सिटी भिवानी 11 अंक के साथ चौथे स्थान पर रही।खेल निदेशक डॉ अरुण कुमार ने बताया कि पुरूष वर्ग में श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी झुंझुनूं ने 6 गोल्ड मेडल, 14 सिल्वर मेडल, माधव यूनिवर्सिटी पिंडवाड़ा ने 2 गोल्ड मेडल, 3 सिल्वर मेडल, 3 ब्रांज मेडल, महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड यूनिवर्सिटी बरेली ने 3 गोल्ड मेडल, 1 सिल्वर मेडल व 3 ब्रांज मेडल जीते। इसी प्रकार महिला वर्ग में श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी झुंझुनूं ने 8 गोल्ड मेडल, 7 सिल्वर मेडल जीते, जबकि देश भगत यूनिवर्सिटी खन्ना, पंजाब ने 5 गोल्ड मेडल व 1 ब्रांज मेडल, वीएनएसजी यूनिवर्सिटी सूरत ने 1 गोल्ड मेडल, 2 सिल्वर मेडल व 2 ब्रांज मेडल जीते।प्रख्यात कलाकार अमित ढुल ने प्रस्तुति देकर खिलाड़ियों का मनोरंजन किया। इस मौके पर रजिस्ट्रार डॉ अजीत कुमार, परामर्श समिति सदस्या डॉ मधु गुप्ता, डीन एकेडमिक्स डॉ रामदर्शन फौगाट, मुख्य परीक्षा नियंत्रक डॉ अनिल कड़वासरा, डॉ सुरेंद्र आदि उपस्थित रहे।

समापन व पुरस्कार वितरण समारोह में यूनिवर्सिटी प्रेजीडेंट व डायरेक्टर एस्टेट ने किया सम्मान

गुलवीर ने एशियाई इंडोर चैंपियनशिप में 3000 मीटर में स्वर्ण पदक जीता

तेहरान। गुलवीर सिंह ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन 3000 मीटर की दौड़ जीतकर एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत को चौथा स्वर्ण पदक दिलाया। गुलवीर ने 8 मिनट 07.48 सेकेंड का समय लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया। किर्गिस्तान के केनेशबेकोव नूरसुल्तान (8:08.85) और ईरान के जलील नासेरी (8:09.39) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता। इससे पहले दिन में अंकिता ने महिलाओं की 3000 मीटर दौड़ में 9:26.22 के समय के साथ रजत पदक जीता। गुलवीर से पहले शनिवार को तेजिंदर पाल सिंह तूर ने गोला फेंक, ज्योति याराजी ने 100 मीटर बाधा दौड़ और हरमिलन बैंस ने 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था। भारत ने इस तरह से प्रतियोगिता में चार स्वर्ण और एक रजत पदक जीता।

अनुश ने भारत के लिए ओलंपिक कोटा हासिल किया

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के पदक विजेता अनुश अग्रवाल ने घुड़सवारी की ड्रेसेज स्पर्धा में देश के लिए पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) ने सोमवार को इसकी घोषणा की। पिछले साल एशियाई खेलों में ऐतिहासिक व्यक्तिगत ड्रेसेज में कांस्य जीतने वाले अनुश ने एफईआई के चार स्पर्धाओं व्रोकला, पोलैंड (73.485%), क्रोनेनबर्ग, नीदरलैंड्स (74.4%), फ्रैंकफर्ट जर्मनी (72.9%) और मेकलेन, बेल्जियम (74.2%) में अपने प्रदर्शन के आधार पर यह कोटा हासिल किया।

हिलव्यू समाचार की ख़बर का असर

मालवीयनगर व आदर्शनगर जोन के अवैध निर्माणों व अतिक्रमणों की अब ख़ैर नहीं

दोनों निगम दे रहे नोटिस,कर रहे सीजर और अब होगी ध्वस्तीकरण की कार्यवाही

शालिनी श्रीवास्तव/ कुलदीप गुप्ता

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। मालवीय नगर जोन निगम ग्रेटर व आदर्शनगर जोन नगर निगम हैरीटेज में अवैध निर्माणों और अतिक्रमण की जैसे होड़ मची हुई है। अवैध निर्माणकर्ता बिल्डर्स बिल्डिंग बायलॉज का लगातार उल्लंघन कर रहे हैं। बिना निगम अनुमति निर्माण, ज़ीरो सेटबैक और बिना भू रूपांतरण, बिना नक़्शे,लेआउट प्लान के अवैध निर्माण ज़ोरों पर हैं।

राजस्व की चोरी तो है ही इनकमटैक्स को भी जमकर चूना लगा रहे हैं बिल्डर्स। कई बिल्डर्स खाईवाल और बुकी भी हैं। ऑनलाइन सट्टा बाज़ार में लिप्त ये बिल्डर्स काले धन की कमाई को बिल्डिंग निर्माणों में लगा रहे हैं ऐसे में अवैध निर्माण और अतिक्रमण को लगातार बल मिल रहा है।

इन अवैध निर्माणों,सड़क अतिक्रमणों, सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमणों और बिल्डिंग

मालवीयनगर और आदर्शनगर जोन में 400-500 अवैध निर्माण और अतिक्रमण हैं वर्तमान में संचालित

बायलॉज के उल्लंघन को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल,मुख्य सचिव सुधांशु पंत से लेकर आयुक्त व मेयर नगर निगम ग्रेटर व हैरीटेज सहित सम्बन्धित जोनों के उपायुक्तों को हिलव्यू समाचार ने लिखित मय सूची शिकायतें दर्ज की हैं और प्रकाशित ख़बरों व चैनल के माध्यम से भी शासन प्रशासन को चेताया है कि राजस्व,इनकमटैक्स और GST का कितना बड़ा नुक़सान इन अवैध निर्माणों से हो रहा है सरकारी ख़ज़ाने को।

इस पर कार्यवाही का प्रथम चरण पूर्ण हो गया है और आदर्शनगर जोन में लगभग 18 नोटिस और 10-12 सीजर की कार्यवाही पूरी कर दी गयी है इसी के साथ मालवीयनगर जोन ने 35 अवैध निर्माणों को नोटिस जारी कर दिए हैं समयावधि पूरी होते ही सीजर की कार्यवाही शुरू हो जाएगी।

आदर्शनगर जोन में सिंधी कॉलोनी C-17 जो आवासीय प्लॉट पर अवैध शो-रूम और फ्लैट्स बना रहा था। प्लॉट न. A21 व A-23 अवैध दुकानें बना रहा था और 698 अवैध निर्माण कर रहा था उन्हें सीज कर दिया गया है। और प्लॉट न.694 भगत किराना व 693 को नोटिस जारी कर दिए गए हैं। बाकी अवैध निर्माणों व अतिक्रमणों पर भी नोटिस जारी कर दिए गए हैं। नोटिस समय सीमा समाप्त होने पर सीजर की कार्यवाही की जाएगी और निर्माण स्वीकृति राशि जमा करने व अवैध निर्माण हटाने व दुरुस्त करने के बाद ही निर्माण किया जा सकेगा।

एक ही बिल्डर के 5-6 अवैध निर्माण और आदर्शनगर जोन निगम हैरीटेज नींद में?

राजस्व इनकमटैक्स और GST की चोरी कर रहे बिल्डर्स

759, मामा की होटल, जवाहरनगर, जयपुर

222 फ्रंटियर कॉलोनी, आदर्शनगर

382,बीस दुकान आदर्शनगर

228,फ्रंटियर कॉलोनी, आदर्शनगर

294, आदर्शनगर

बिना निगम अनुमति,ज़ीरो सेटबैक, बिना प्लॉट पुनर्गठन, बिना भूमि रूपांतरण,आवासीय प्लॉट में बहुमंज़िला इमारतें नगर निगम हैरीटेज के मुँह पर राजस्व चोरी का बिल्डरों द्वारा झन्नाटेदार तमाचा। अगर निगम अनुमति बिल्डर्स दिखाते हैं तो मौक़े पर स्थिति व स्वीकृति में रात-दिन का होता है जिसे निगम के भ्रष्ट अधिकारी कर्मचारी और बिल्डर्स छुपाते भी हैं

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। बिल्डर कमल आसुदानी के लगभग 5-6 प्रोजेक्ट आदर्शनगर जोन में बिना निगम अनुमति के बीवी बच्चों व अन्य व्यक्तियों को पार्टनर बनाकर उनके नाम से संचालित हैं जिसमें यह माता वैष्णव के भंडारे करते नज़र आने वाले धार्मिक व्यक्ति होने का दम भी भरते हैं।

प्लॉट न. 759 मामा होटल के पास जवाहरनगर, फ्रंटियर कॉलोनी में प्लॉट न. 222,फ्रंटियर कॉलोनी में प्लॉट न.228,फ्रंटियर कॉलोनी में ही 294,आदर्शनगर में प्लॉट नंबर 382 और आगामी प्रोजेक्ट सिंधी कॉलोनी प्लॉट नंबर 87 है।

आदर्शनगर जोन में लगातार इस तरह लगभग 300 अवैध निर्माण और सड़क अतिक्रमण का ग्राफ़ तेज़ी से बढ़ गया है।अपने बीवी बच्चों के नाम से अलग-अलग 5-6 प्रोजेक्ट अवैध रूप से बिल्डर्स संचालित कर रहे हैं और आदर्शनगर जोन नगर निगम की मिलीभगत और साँठगाँठ इनके हौसले बुलंद कर रही है।

बिना निगम अनुमति,ज़ीरो सेटबैक, बिना प्लॉट पुनर्गठन, बिना भूमि रूपांतरण,आवासीय प्लॉट में बहुमंज़िला इमारतें नगर निगम हैरीटेज के मुँह पर राजस्व चोरी का तमाचा ही है। अनुमति है तो मौके पर स्थिति बिल्कुल विपरीत मिलेगी। विनोद पारवानी इसमें माहिर है। झूठी अनुमति लेकर निर्माण बिल्कुल अवैध करता है और निगम को जेब में रखने का दावा करता है।

बड़े शर्म की बात है कि उपायुक्त,आरओ,एईएन,जेईएन नगर निगम जोन के पूरे अधिकारी कर्मचारी घोड़े बेचकर नहीं अपना ईमान बेचकर सो गए हैं। आटे में नमक जितना भ्रष्टाचार बर्दाश्त हो सकता है लेकिन यहाँ तो थाल में नमक ही नमक परोस रहे हैं आदर्शनगर जोन के अधिकारी और कर्मचारी?

एक एक बिल्डर 5-5 ,6-6 अवैध निर्माण कर रहा है और आदर्शनगर जोन उससे पैसा ऐंठकर,मिलीभगत करके साँठगाँठ करके उसे नसीहत देता है कि आयुक्त मुख्यालय पर ऊपर से फोन करवा दो वरना हिलव्यू समाचार की ख़बरों के आधार पर हमें कार्यवाही करनी पड़ेगी।

निगम ख़बरों के दबाव में आकर नोटिस दे देते हैं मगर कार्यवाही नहीं करते। बिल्डर्स को और ख़ुद को बचाने गलियाँ निकालते नज़र आते हैं आदर्शनगर जोन के उपायुक्त,आरओ,एईएन,जेईएन और कर्मचारी?

सबसे बड़ी बात आदर्शनगर जोन के अधिकारी कर्मचारी इन बिल्डर्स,अवैध निर्माणकर्ता, अतिक्रमणकारियों के साथ चाय के स्टालों, ढाबों और तो और कार्यालयो में चाय नाश्ता,लंच डिनर करते नज़र आते हैं। ये अवैध झूठी रिश्तेदारी राजस्व को कितना चूना लगा रही है यह बताने की आवश्यकता नहीं। जिसका जल्द मय वीडियो और फ़ोटो के साथ ख़ुलासा करेगा हिलव्यू समाचार।

ग्राम लोरड़ी के राउमावि में हुआ माँ शारदे प्राण प्रतिष्ठा व वार्षिकोत्सव का भव्य कार्यक्रम

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने की शिरक़त और युवाओं को दिये शिक्षा के महत्व के मूलमंत्र

कुलदीप गुप्ता

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। दूदू जिले के मौजमाबाद उपखंड क्षेत्र के लोहड़ी गांव स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में गत शुक्रवार को आयोजित मां शारदे प्राण प्रतिष्ठा व वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान विद्यालय में माँ सरस्वती की प्राण प्रतिष्ठा व विद्यालय में शिक्षकों के सहयोग से बनाए गए मंच का भी उपमुख्यमंत्री बैरवा ने लोकार्पण किया। बैरवा ने अपने सम्बोधन में कहा कि शिक्षा ही एक ऐसा ज़रिया है जिसके माध्यम से बच्चे अपने समाज परिवार को देश को विकास के रास्ते पर एक नई पहचान दिला सकते हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बैरवा ने कहा कि नया राजस्थान सुदृढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही शिक्षा के आधुनिकरण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। राजकीय माध्यमिक विद्यालय लोरड़ी के पास विद्यालय से पास आउट स्टूडेंट्स और सरकारी सेवा में कार्यरत युवाओं ने मिसाल पेश कर विद्यालय में सरस्वती मूर्ति स्थापना व सार्वजनिक मंच का विद्यालय के प्रिंसिपल व स्टाफ के साथ मिलकर जनसहयोग से निर्माण करवाया।

सरकारी सेवा में कार्यरत युवाओं ने आर्थिक सहयोग जुटाकर विद्यालय में खेल मैदान और सजावट का कार्य भी किया।

कार्यक्रम में जयपुर जिला प्रमुख राम चौपड़ा, प्रधान प्रेम देवी जाट,भाजपा मंडल अध्यक्ष बिरधी चंद अहलावत, जिला परिषद सदस्य रामरतन नासना,प्रिंसिपल राकेश कुमार सक्सेना, व्याख्याता राम अवतार प्रजापत,ओम श्री राठौर,गजेंद्र सिंह जाखड़, एडवोकेट मांगीलाल चौधरी, कमलेंद्र सिंह जाखड़ बद्री नारायण करवाल, विजय रियाड़, शक्ति सिंह रियाड़, सरोज चौधरी,ममता चौधरी, माया गुप्ता,संजू चौधरी, अशोक कुमार,सूरज करण बैरवा,रामस्वरूप जाट,गणेश नारायण शर्मा,कविता शर्मा संजय मीणा, पंचायत समिति सदस्य रामफुल देवी, ग्राम पंचायत सरपंच सुमनकंवर राजावत,हनुमान मोर सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

भजन राज में भी ईमानदार अधिकारी और कर्मचारी क्यों हैं राजधानी से दूर

डीएलबी के भ्रष्ट अधिकारियों की झूठी शिकायतों पर ईमानदार अफसर और कर्मचारियों पर गिर रही गाज़

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रशासनिक व निकाय स्तर तक की मंत्रियों और विधायकों की डिज़ायर प्रशासनिक कार्यालयों में जाकर टाइपिंग में जानबूझकर त्रुटि कर बदली जा रही हैं।

भ्रष्टाचार का इतना बड़ा खेल भजन सरकार की नाक के नीचे कैसे सम्भव है जो सरकार ज़ीरो टॉलरेंस भ्रष्टाचार की नीति पर लगातार काम कर रही है।

लगातार जारी होती प्रशासनिक स्थानांतरण सूचियों में भ्रष्ट अधिकारियों की डिज़ायर विधायकों और मंत्रियों से भी ज़्यादा मान्य हो रही है क्योंकि डीएलबी में बैठी हैं पूर्व यूडीएच भ्रष्ट मंत्री शांति धारीवाल और भ्रष्ट प्रमोटी आईएएस अधिकारी पूर्व डीएलबी डायरेक्टर हृदेश शर्मा की फ़र्ज़ी गैंग जो कर रही है सचिवालय से लेकर डीएलबी की जारी सूचियों में फेरबदल और फ़र्ज़ीवाड़ा

डीएलबी व सचिवालय की भ्रष्ट गैंग को अब भजन सरकार को विदाई देनी होगी जो पूर्व यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल और पूर्व डीएलबी डायरेक्टर हृदेश शर्मा से प्रभावित और उनके द्वारा आज भी सन्चालित है। भजन सरकार को भी अपनी स्वच्छ छवि को दाग़दार छवि से अगर बचाना है तो डीएलबी और सचिवालय में 3 से 5 साल के मध्य टिके अधिकारियों व कर्मचारियों को दूर दराज़ भेजना ही होगा।पूर्व मुख्य सचिव उषा शर्मा ने आदेश भी जारी किए थे कि अब 3 साल से ज़्यादा कोई भी अधिकारी व कर्मचारी किसी विभाग में नहीं टिक सकेगा लेकिन आज भी कई भ्रष्ट अधिकारियों व कर्मचारियों की गैंग इन मुख्य विभागों में मौजूद है जो लगातार प्रशासनिक ताकत को कमज़ोर कर रही है और वर्तमान सरकार की छवि को लगातार धूमिल कर रही है। स्थानांतरण सूची में फर्जीवाड़ा लगातार हो रहा है ऐसे में भजन सरकार को आँख, नाक और कान खोलकर सख़्ती बरतने की आवश्यकता है और भ्रष्ट अधिकारियों, कर्मचारियों और यहाँ तक कि भ्रष्ट भाजपा नेताओं पर नकेल कसने की आवश्यकता है।

मूक बधिर बच्चों ने चित्रात्मक अभिव्यक्ति द्वारा दिखायी प्रतिभा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। बुधवार दिनांक 14 फरवरी को बसन्त पंचमी के पर्व पर संस्था कला मंज़र ने राजकीय आनंदी लाल मूक बधिर उ.मा.विद्यालय, जयपुर में बसन्त उत्सव का आयोजन किया।जिसमें वहाँ के मूक बधिर बच्चों के साथ सरस्वती पूजन व लड्डू वितरण के साथ बालिकाओं का नृत्य व सभी विद्यार्थियों की चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

संस्था की सचिव मीनाक्षी माथुर ने बताया कि आयोजन की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी पूजा उपाध्याय , मुख्य अतिथि नृत्य गुरु उषा श्री व अति विशिष्ट अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक रविन्द्र उपाध्याय व विशिष्ट अतिथि के रूप में रेशमा खान और अमृता मौर्य आयोजन में उपस्थित रहे। चित्रकला प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में वरिष्ठ चित्रकार अजय गर्ग , नीलू कंवरिया व प्रतिमा पटनायक शामिल थे।रवीन्द्र उपाध्याय के साथ सभी बच्चों ने जमकर आनंद उठाया।

संस्था की अध्यक्ष शोभा सक्सेना ने सभी अतिथियों का स्वागत किया व बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विद्यालयों में बच्चों के बीच सांस्कृतिक आयोजन व प्रतियोगिताएं करवा कर उभरती हुई प्रतिभाओं की खोज करना है।

आयोजन में मुकेश माथुर, डॉ अलका राव, रेणु वशिष्ठ, आलोक शर्मा, सीमा कावन्त, उमा गौतम व स्कूल का समस्त स्टाफ व अभिभावक भी उपस्थित रहे।चित्रकला प्रतियोगिता को दो वर्गों में बांटा गया जिसमें कुल 80 बच्चों ने भाग लिया जिनमें प्रथम स्थान पर क्रमशः देवेन सोनी और वृत्ति अग्रवाल द्वितीय स्थान पर प्रियंका शाह व फरहान खान तृतीय स्थान पर वासुदेव व विशाल सिंह रहे प्रथम व द्वितीय सांत्वना के दो - दो पुरस्कार भी दिए गए। विजेता प्रतिभागियों के साथ विशेष वर्कशॉप लगाने का निर्णय भी लिया गया है।

जिला स्तरीय विकसित भारत संकल्प यात्रा संवाद कार्यक्रम

विकसित राजस्थान के लिए सकारात्मक सोच के साथ बढ़ना है आगे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जिला स्तरीय विकसित भारत संकल्प यात्रा संवाद कार्यक्रम शुक्रवार को राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटपूतली में उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में आमजन, जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संवाद सुना। इस दौरान प्रधानमंत्री द्वारा राज्य के लिए विभिन्न योजनाओं

का लोकार्पण किया गया। मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मुख्य धारा में जोड़ने के लिए कार्य कर रहें हैं। उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री ने विश्व में देश का मान सम्मान बढ़ाया हैं। प्रधानमंत्री का लक्ष्य 2047 तक देश को विश्व के अग्रणी देशों में शामिल करना हैं। साथ ही कहा की प्रधानमंत्री की योजनाओं से सभी वर्गों के लोग लाभान्वित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कोटपुतली जिले के लिए कई सौगातें दी हैं, जिसमें कोटपूतली में सड़कों का विस्तार, बानसूर तथा पुतली कट पर फ्लाईओवर का निर्माण, अंबाला से अलवर तक हाईवे का निर्माण, युवाओं के एलबीएस कॉलेज में इंडोर स्टेडियम का निर्माण करवाया गया है साथ ही उन्होंने सभा में उपस्थित लोगों से अपील की कि विकसित भारत तथा विकसित राजस्थान बनाने के लिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ाना है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)